राजस्थानी पालणा रा गीत

श्रीमती लीला सोमानी

राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

आत्म-निवेदन

नारी का जीवन सर्वोत्तम माना जाता है। देखा जाय तो देवी के नौ स्वरूपों का उद्गम उद्भव है। वह जहां बालिका के रूप में मन मोह लेती है, वहीं विवाह होते ही जीवनसंगिनी के रूप में पुरुष का महत्वपूर्ण अंग बन जाती है। वह उसकी अभिलाषा भी है परन्तु जब कुलदीपक देकर वंश की वृद्धि करती है तो मातृत्व के रूप में वह अपने परिवार में अपनी महत्ता को और भी रेखांकित कर लेती है। माता के रूप में वह श्रेष्ठतम हो जाती है, इसीलिए 'मातृ देवो भव' सबसे पहले कहा जाता है। जहां देवता भी उसे नमन करते हैं।

राजस्थान के ग्रामीण जीवन में मातृत्व का अपना ही अनूठा स्थान है। लोकगीत तो मुखर हैं, कोई भी शुभ कार्य घर में हुआ और गीत प्रारम्भ। आज के परिवेश की तरह वह तो किसी का मुंह नहीं ताकता, वहां तो सरल निश्छल प्रकृति है, सीधे सादे लोग। जहां लड़की ने पत्नी के रूप में अपना स्थान बना लिया है, वहीं मातृत्व में वंशवृद्धि का अपना गर्व है। अब वह अपने परिवार को कुलदीपक जो देने वाली है। इसीलिए अपने परिवार से, अधिकार से अपनी मांगें रखती है। 'जापा' या 'मौर' के गीत में यही झलकता है। गर्भधारण का बोध होते ही स्त्रियों की इच्छाओं, खाने-पीने की रुचि-अरुचि भी शुरू हो जाती है। नौ महीने कितनी कठिनाई में निकलते हैं, किन्तु 'फल-प्राप्ति' की इच्छा उसे महान बनाये रखती है। लोकगीतों के माध्यम से इसी सहजता का वर्णन किया है।

अब वह परिवार में सभी से, छोटे से छोटे और बड़े से बड़े के साथ एक विशेष निकटता का अनुभव करती है। अपने श्वसुर, सास, जेठ जिठानी, देवर दिवरानी, ननद, पड़ोसन, मां, भाई भाभी तो अपने हैं ही यहां तक कि जोशी, कुम्हार, बामी, ढोली सभी उसे अपने सहायक प्रतीत होते हैं, उन सभी का अपना महत्व है। 'दाई' बिना तो काम चल ही नहीं सकता क्योंकि उसी की सहायता से उसकी मनोकामना पूरी होगी। और, जीवन का सर्वस्व जिसे दे दिया, उस पर तो उसका सबसे बड़ा अधिकार है, मातृत्व के गर्व से

भरी मानिनी उसे अपनी अनूठी माँगें मनवाने हेतु प्रोत्साहित करती है। स्वप्नलोक में विचरती वह पति से माँग करती है कि प्रकृति के पीले रंग में रंगा हुआ 'पीला' काँच से जड़ा हुवा आँगन, रत्नों की देहरी, महँगे मोल के आभूषण जिन्हें पहन आँट कर गर्व में भरी जब वह 'जळवा' पूजन राह से निकले तो रानियाँ भी उससे ईर्ष्या का अनुभव करे और उसे अपनी सहेली बना कर कृतार्थ हो। लोग दर्शें और कहें—देखिए वह जा रही है, फलाँ सेठ की बहू, उसके पुत्र की पुत्रवधू और नन्हें हालरिया की माँ। उसके नन्हे-मुन्ने के लिए सरोवर पर, आँगन में, महलों में पालना डालें जिससे मुन्ना को रिझाने हेतु सारस, मोर, कोयल और परिवार के सदस्य और पति झूला देकर निहाल हों और वह गर्व से भरी फूली न समाए, क्या न हो! यही तो उसकी गृहस्थी का अमृत-फल है।

लोकगीत मन की अनुभूतियों की कल्पना ही तो है क्योंकि सच्चाई का धरातल तो बहुत कठोर है। राजस्थान की मरुभूमि और कठोर जीवन में अपने आपको ढालते हुए जहाँ विरह का भी अपना अनोखा स्थान है—एक सुखद स्वप्निल कल्पना ही तो उसके जीवन को रसमय बनाती है। ये परम्पराएँ भी अभी तक चली आ रही हैं। आज विज्ञान ने इतने साधन दे दिए कि अगर सुविधा हो तो संसार के किसी भी कोने में भ्रमण किया जा सकता है। यहाँ तक कि जिस चन्द्र की कवि उपमाएँ देते हुए नहीं थकते थे, उसके धरातल पर भी जा पहुँचे। किन्तु मन की कल्पनाएँ अभी भी वही हैं, जो पहले थी। इसीलिए हमारी वही परम्पराएँ अभी तक चली आ रही हैं। हाँ, इतना अवश्य हुआ है कि चाहे विवाह का अवसर हो या पुत्र जन्म की खुशी, महीनों महीनों भर गीत गाते थे वे सिमट कर तीन-चार दिन में रह गए। लेकिन मातृत्व के बोध और आनन्द में अभी भी कहीं कमी नहीं आई।

ये गीत जो आपके समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ उन्हीं परम्पराओं से चले आ रहे गीत हैं। किसने बनाए इनके रचयिता का मालूम नहीं पर ये घर घर में गाये जाने वाले गीत हैं। इतना ही अन्तर आया है कि पहले घर की स्त्रियाँ और पास पड़ोसिनें भी जहाँ बच्चे के जन्म का मालूम होते ही तुरन्त गाने बैठ जाती, वहाँ आज उस प्रकार से गाने में संकोच होता है। आज रेडियो, टी वी, सिनेमा आदि के माध्यम से गाने सुन कर महिलाएँ भी चाहती हैं कि उनके गीत भी 'ताल' में और 'सुरबद्ध' हों। चाहे वह पारम्परिक लोकगीत ही क्यों न हों उन्हें शुद्ध तरीके से गाये जाएँ।

हम कहीं भी, किसी भी शहर में चले जाएँ राजस्थान के लोकगीतों की रसध्वनि तो हमारे मन में रची बसी है। फिर भी जहाँ हर व्यक्ति इक्कीसवीं सदी की तरफ कदम रख रहा है, वहाँ हमारे गीत भी परिमार्जित होकर नया स्वरूप ले रहे हैं।

यही सब सोच कर परम्परा से चले आ रहे 'जापे' के लोकगीतों को मैंने 'स्वर लिपि' देने का प्रयत्न किया है। त्रुटियां भी कई होगी ही क्योंकि राजस्थान के हर पाँच कोस पर जहां थोड़ा थोड़ा भाषा का बदलाव आता है, वहीं गाने के तरीकों और बोलों मे भी थोड़ा परिवर्तन हो जाता है।

कुछ विवाह के स्व रचित गीत भी इसी पुस्तक में संकलित किये जा रहे हैं।

यह प्रयास जैसा भी बन पडा है, पाठकों के सम्मुख एक विनम्र प्रस्तुति है।

लीला सोमानी

स्वरलिपि के साकेतिक चिह्न

1 शुद्ध स्वरो एव मध्य सप्तक के स्वरो के लिये कोई चिह्न नही है। जैसे सा, ग, प

2 तार सप्तक के स्वरो के उपर बिन्दी है। जैसे सा, रें, ग

3 मन्द्र सप्तक के स्वरो के नीचे बिन्दी है। जैसे नी ध प

4 कोमल स्वरो के नीचे हलन्त है। जैसे ग् ध् नी्

5 तीव्र म के उपर खडी पाई। जैसे म

6 स्वरो के आगे 'ऽ' इस चिह्न का अर्थ यह है कि इसके पूर्व जो स्वर आया है उसे उतने मात्रा काल तक और गाना है। जैसे सा ऽ ऽ ग ऽ म

7 अर्ध चन्द्राकार चिह्न मे दिए गये सब स्वर एक ही मात्रा काल मे गाना है। जसे धसा पधप धनीपध

8 '⌒' इस चिह्न का मतलब मीड से है, यानी एक स्वर से दूसर स्वर तक मीड से गाना। जसे प ग

9 X' यह सम की निशानी है, यानी ताल की पहली मात्रा।

प्रत्येक गीत के एक ही अन्तरे की स्वरलिपि दी गई है। शेष अन्तरे उसी प्रकार गाए जायेंगे। जिन गीतो के दूसरे अन्तरे विभिन्न प्रकार से गाए जायेंगे उनकी स्वरलिपि दे दी है।

अनुक्रमणिका

ताळो

ताळो जी कुण खुडकाइयो, ढळती मी माभळ रात,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
ताळो जी धण खुडकाइयो, धर रामचन्द्रजी री नार,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जागो जी भवर निंदालूडा, पिलग परो सरकाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
पिलग परे सरकायदयो, दाई माई नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
दाई ए माई म्हारा थे बडा, नाजुक जीव छुडाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
आई छै पीड उतावली, जायो छै लाडण पूत,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो है कवर सुलाखणो, सासूजी नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
सासूजी म्हारा थे बडा, सोवन थाळ वजाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो है धन विलसावणो, बाईजी नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
बाईजी म्हारा थे बडा, साळा रे साथिया दिराय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै कुळ को माडणो, भाभीजो वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
भाभीजी म्हारा थे बडा, जगमग दिवलो जुपाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै वस वधावणो, दयोराणी वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
दयोराणी म्हारी थे वडा, रयडो सो पिलग विछाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छ कवर सुलाखणो, सुसराजी वेग वुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
सुसराजी म्हारा थे वडा, कडला पूंची पहराय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै कुळ को माडणो, मारुजी वेग वुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
मारुजी म्हारा थे वडा, मोहरा स्यू मूठ भराय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छ वस वधावणो, जोसीजी वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जोसीजी म्हारा थे वडा, गीगा को न्हावण पुजाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै कवर सुलाखणो, नाईका नै वेग वुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
नाई का वेटा म्हारा थे बडा, हरी हरी बादरवाळ वधाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै कुळ को माडणो, ढोली जी वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
ढोली का वेटा म्हारै थे बडा, गहरो सो ढोल वजाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै वस बधावणो, कुम्हट को वेग वुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
कुम्हट का वेटा म्हारै थे वडा, कुम्भ कळस ले आय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै पूठ को माडणो, दरजी न वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
दरजी का बेटा म्हारा थे बडा, हरियो सूवटडो ले आय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छ क्वर सुलाखणो, खाभी नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
खाभी रा बेटा म्हारा थे बडा, अमर पगगती ले आय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
जायो छै क्वर सुलाखणो, खाती को वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।
खाती का बेटा म्हारा थे बडा, गीगा को पालणो घड लाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

ताळोजो फुरा खुडकायो

लय सात मात्राओं की मध्यलय

नी सा नी॒	सा ऽ रे म	म प ऽ	म रे प म
ता — —	लो—जी—	फु रा —	खु — ड —
×			
रेम रेसा नीसा	सा ऽ सा ऽ	सा सा ऽ	सा ऽ सा ऽ
का — —	ई———	यो — —	———
×			
नी सा नी॒	सा ऽ रे म	म प ऽ	म रे प म
ढ ळ —	ती—सी—	मां — —	भ — ळ —
×			
रे रे —	रे ऽ ऽ रे	नी सा नी॒	सा ऽ रे म
रा — —	———त	मा रू —	णी—हो—
×			
म प ऽ	म रे प म	रे नी ऽ	सा ऽ सा ऽ
ल र —	रा—जा—	ज न —	मि———
×			
सा सा ऽ	सा ऽ सा ऽ	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
यो — —	———	— — —	———
×			

दाई

जो म्हारा स्यार रमता स्याम, पाता दूर करोजी राज
जी म्हारी आद सरीसी नार, जी थारो क्या रे दूसे छ जी राज
ओ राजा हस हस बाधी छै पाग, मुळकत चालिया जी राज
ओ राजा हो घुडल असवार, दाई माई नै ल्यावरा चाल्या जी राज
ओ राजा पूछ शहरिया का लोग, दाई माई का घर किस्या जी राज
ओ राजा सूरज सामी जी पोळ, आगरा बिच एळची जी राज
ओ राजा बैठी दाई घर के माय, बोलै गरब भरी जी राज
ओ राजा काई थारी कसटी जी माय, काई थारी भावजी जी राज
ओ दाई नही म्हारी कसटी जी माय, नही म्हारी भावजी जी राज
ओ दाई आद सरीसी नार, चालो उतावळा जी राज
ओ राजा जे थार जनमली धीय, हमस्यू कौल करोजी राज
ओ दाई जे म्हारै जनमली धीय, ओढावू बाला चूनडी जी राज
ओ राजा जे थार जनमलो पूत, हमस्यू कौल करोजी राज
ओ दाई जे म्हारे जनमलो पूत, घडाऊ थानै बानळो जी राज
ओ राजा धूप पडै अकराळ, दाजै म्हारा पावल्या जी राज
ओ दाई थे म्हारा मोचा जी पैर, उभागा म्हे चला जी राज
ओ राजा भिरमिर बरसैलो मेह, भीजै म्हारी चूनडी जी राज
ओ दाई थे म्हारो किरण्यो ओढ, उघाडा म्हे चला जी राज
ओ राजा आई दाई दाहरा कै माय, सूरा भला हुया जी राज
ओ राजा आई दाई गवाडा कै माय, साड धड्कियो जी राज
ओ राजा आई दाई फळसा रै माय, धीनड राजा जनमियो जी राज
ओ राजा पूत दियो भगवान, दाई म्हारी क्या रै कियो जी राज
ओ राजा दाई कै पटल्या मे सूठ, दाई थारी चोरटी जी राज
ओ राजा है कोई देवर जेठ, दाई नै देवो रे धक्का जी राज

ए दाई भाग सकै तो भाग, फाड़ू थारो घाघरो जी राज
ओ राजा बुलाओ हालरिया को बाप, हमस्यू कौल करया जी राज
ओ दाई जनम्यो छ म्हारै पूत, घडाऊ थारै बानळो जी राज
ओ दाई सुभ घडी जायो है पूत, ओढाऊ थानै चूनडी जी राज
ओ राजा नुगरी हालरिया की माय, सुगरो बाप छ जी राज
ओ राजा मुड मुड देव आसीस, जच्चा थारी सात जणो जी राज

दाई

जो म्हारा स्यार रमता स्याम

लय छे मात्राओ की धीमी लय

स्थायी

ऽ ऽ ऽ	सा सा सा	नी सा ऽसा	मरे म रेसा
— — —	जी म्हा रा	स्या र — र	म — ता —
×		×	
नी म प	नीसा रे ऽ	मरे पम मप	पम रे मरेसानी
स्या — म	पा — सा —	दू — र — क —	रो — जी —
×		×	
सा ऽ सा	सा सा सा	नी सा ऽसा	मरे म रेसा
रा — ज	ये म्हा री	आ द — स	री — — सी —
×		×	
नी म प	नीसा रे रे	मरे पम मप	पम रे नी
ना — र	ये था रो	क्या रे — दू —	खै — छै जी
×		×	
सा ऽ सा			
रा — ज			
×			

अन्तरा

	साप प प	मम प नी	ध प पम
	ओ — रा जा	हस ह म	वा धो छै—
		×	

मप प प	रेप पम मरे	रे ऽ मरे	मरे नी ऽ
पा — ग	मुठ क — त —	चा — लि —	या — जो —
×		×	

मा ऽ मा	मा मा सा	नीमा सा सा	रेम रे सा
गा — ज	आ रा जा	हो — घु ट	ल — अ स
×		×	

नी म प	नीमा रर ग	मरे पम प	पम रे नी
या र गा	ई — माई ने	ल्या — य — ग	चा — ल्या जो
×		×	

मा ऽ मा			
गा — ज			
×			

पीपळी

वाडा तो बिचली पीपळी ललवा
लालाजी ओ ज्या रा छ अडबड पान
प्यारी लागे कुळबहू ललवा

एक पान जच्चा तोडियो ललवा
लला जी ओ चुय चुय पडे छे मजीठ
हिरणी पालर चरे ललवा

ज्या तळे दुकड्यो माडियो ललवा
लला जी ओ भरची ये हवोळा खाय
प्यारी लागे कुळबहू ललवा

ज्या मे जी चीर डुबोइयो ललवा
लाला जी ओ राच्यो छे चुरळ मजीठ
प्यारी लागे कुळबहू ललवा

लूगा री बाड सुखाइयो ललवा
लाला जी ओ चील उजाठा जी खाय
हिरणी पालर चरे ललवा

बो म्हारी जच्चा राणी ओढियो ललवा
लला जी ओ जायो छे लाडण पूत
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

पहर ओढ जच्चा नीसरी ललवा
लला जी ओ शहर बम्बई रै माय
प्यारी लागे कुळबहू ललवा

हटवाडचा हाटचा रह्या ललवा
लला जी मूरख पड्यो है जजाळ
हिरणी पालर चरै ललवा

राजा की राणी यू कँवे ललवा
लला जी ओ जच्चा की बणस्या म्हे भण
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

जच्चा की कूख सुलाखणी ललवा
लला जी ओ जायो छै लाडण पूत
प्यारी लागै कुळबहू ललाव

कावथ लेखो ले रह्यो ललवा
लला जी ओ आ रे कुण्या घर नार
हिरणी पालर चरै ललवा

सा दशरथ जी री जच्चा कुळबहू ललवा
लला जी ओ बडा रे साजनिया री धीय
प्यारी लागै कुळबहू ललवा

रामचन्दर जी री चन्दरावळी ललवा
लला जी ओ ल्होडा हालरिया री माय
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

खोल सुहागण कोथळो ललवा
लला जी ओ सोर साच्यो दस मास
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

देवो थारी डोम सुहासणी ललवा
लला जी ओ सासू नणद नै पहराय
प्यारी लागै कुळबहू ललवा

दयो रे कमीणा नैं कापडा ललवा
लला जी ग्रो ढोली को ढोल पहराय
प्यारी लाग कुळवहू ललवा

भलो ए धियाडो माता तू करचो ललवा
लला जी ग्रो भलो ए करचो भगवान
प्यारी लागं कुळवहू ललवा

भलो म्हारी जच्चा राणी थे करचो ललवा
लला जी ग्रो जायो है लाडण पूत
प्यारी लागं कुळवहू ललवा

पीपळी

बाडा तो विचली

लय छ मात्राओं की मध्यलय

प नी नी	नीसा रेमरेसा नीसा ऽ	रेम मरे रे	साम र र ना
वा डा तो	विच ली — — —	पी — प — ळी	— — ल ल
×		×	

सा सा सा	सा सा सा	प नी नी	नीसा रे मरेसा नीसा ऽ
वा	— — —	वा डा तो	विच ली — — —
×		×	

रेम मरे रे	साम रे रे नी	सा सा नीसा	रेम प म
पी — प — ळी	— ल ल	वा — ल —	ला — जी ओ
×		×	

रे म मप	पम रे सा	नी ऽ नी	नीसा र मरे सा
ज्या रा छै —	अड ब ड	पा — न	प्यारी ला — गे
×		×	

रेम मरे रे	साम रे रे नी	सा सा सा	सा सा सा
कुळ ब — हू	— — ल ल	वा	— — —
×		×	

झमक बधाई

जी वै तो सामली हताया बैठ्या, जी बाईसा रा वीरा
जी थानै झमक बधाई भेजू, जी बाईसा रा वीरा
जी थारै धीय हुई घर आवो, जी बाईसा रा वीरा
ए म्हानै सायीडा मे लाजा मारया, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारे उडदी रो पडदो लगावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थार टूटी सी मचली विछावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै फाटी सी गुदडी विछावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै गुड की पात रधावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थानै रै कारे बतळावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थानै नित उठ पीयर भेजा, ए म्हारी सायवाणी
ए थानै कदै न लेवा आवा, ए म्हारी सावळी सायवाणी

जी वै तो सामली हताया बैठ्या, जी बाईसा रा वीरा
जी थानै झमक बधाई भेजू, जी बाईसा रा वीरा
जी थारै कवर हुयो घर आवो, जी बाईसा रा वीरा
ए म्हारो सायीडा मे मान बढायो, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए म्हे तो हस हस पेच सवारा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै रेशम रा पडदा तणावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै हिंगळू रो ढोल्यो ढळावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै मखमल रा गिदरा भरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै मिसरू रा तकिया भरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै गून्द रा लाडू सन्धावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारै अजमो सूठ मुलावा, ए म्हारा सावळी सायवाणी
ए थारो पीळो बैठ रगावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थानै कद ए ना पीहर भेजा, ए म्हारी सावळी सायवाणी

ए थान नित उठ लेरा ग्रावा, ए म्हारी सावळी मायवाणी
ए थानें जोकारे बतळावा, ए म्हारी मावळी सायगाणी
ए थारी मोहरा मूठ भरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारें नान्हा नें हुलरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
ए थारो दूणो मान बढावा, म्हारी सावळी सायबाणी
ए थारे दोय पग सामा ग्रावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी

झमक बधाई

चार मात्राओं की द्रुतलय मे

ग॒म ग॒म ग॒प पम | म म म म | ग॒म ग॒म ग॒सा सा | सा ऽ ग् नी सा ऽ

जी - - वै - तो - | सा म ली ह | ता - - - या - मे | वै — ठ्या —

× | × | | ×

ग॒म ग॒म म ग् | ग॒म ऽ ऽ ऽ | ग् ऽ म सा | सा ऽ सा ऽ

जी — — बा — | ई — — — | सा — रा — | वी — रा —

× | × | |

ग॒म ग॒म ग॒प पम | म म म म | ग॒म ग॒म ग॒सा सा | सा ऽ ग् नी सा ऽ

जी - - था - नै - | झ म क ब | धा - - ई - - | भे — जू —

× | × | | ×

गम ग॒म म ग् | ग॒म ऽ ऽ ऽ | ग् ऽ म सा | सा ऽ सा ऽ

जी — — बा — | ई | सा — रा — | वी — रा —

× | × | × | ×

जच्चा

मैंमद पहरो राज, रखडी पहरो राज
हा ए थारा कुण्डल की छबि न्यारी ए जच्चा
मधरा बोलो राज
हा ए थारी झुमक्या रो लजो भारी ए जच्चा
मधरा बोलो राज
मधरा बोलो राज, धीमा चालो राज
हा ए थारै माथै चढैगी मधवा जच्चा, मधरा बोलो राज
हा ए थारा सासूजी करै थारो चाव जच्चा मधरा बोलो राज

बेमर पहरो राज, तिलडी पहरो राज
हा ए थारै चुडलै री छबि न्यारी ए जच्चा, मधरा बोलो राज
हा ए थारा गजरा रो मुजरो भारी ए जच्चा, मधरा बोलो राज।
मधरा बोलो राज, धीजा चालो राज
हा ए थारै कमर पडैगी साल ए जच्चा, माधरा बोलो राज।
हा ए थारा मारूजी करै थारा चाव ए जच्चा, मधरा बोलो राज।

बाजूबद पहरो राज, पायल पहरो राज
हा ए थारै बिछिया रो झणकारो ए जच्चा, मधरा बोलो राज।
हा ए थारो पोळो बण्यो अणमोल ए जच्चा मधरा बोलो राज।
मधरा बोलो राज, धीमा चालो राज
हा ए थारा कह्या कह्या हुकम उठावै ए जच्चा, मधरा बोलो राज
हा ए थारा हालर नै हुलरावै ए जच्चा मधरा बोलो राज।
मधरा बोलो राज।

मैंमद पहरो राज

लय सात मात्राओं की मध्य लय

ऽ ऽ ऽ	ध नी सा ग्	रे रे गरेसानी	सा ऽ नी सा
— — —	मैं — म द	पह रो —	रा — — —
×			
धनी ध ऽ	ध नी सा ग्	रे रे ग्रेसानी	सा ऽ ऽ ऽ
— — ज	र ख डी —	पह रो —	रा — — —
×			
ऽ ऽ सा	सा सा सा प	प प नो	ध प प धप
— — ज	हा ए था रा	कु ण्ड ल	की — छ वि —
×			
म म ग्	सा ऽ रेग् रेम	ग् ग् रेसा	रे ऽ सा नी
न्या री ए	ज — ज्चा —	म ध रा —	बो — लो —
×			
सा ऽ सा			
रा — ज			

मूळी

पहलो तो मास भवरजी थारी धण न लाग्यो
दूजो तो मास भवरजी थारी धण नै लाग्यो
म्हारो ग्राळ भोळ जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
म्हारो थूकतडं जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
जिव घबरावै भवरजी, नाज न भावै
मनै तीरवा पाना री मूळी भाव, गुणसायर ढोला जिव घवराव।
घोळी घोळी मूळी भवरजी, हरी हरी पैंडी
मनै हरिया पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घबरावै
थाकी बोली ग्रब नाय सुहावै, मनभरिया ढोला जिव धवरावै।

तीजो तो मास भवरजी प्यारी धण नै लाग्यो
चोथो तो मास भवरजी प्यारी धण नै लाग्यो
म्हारो राब दहिया जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
म्हारो खीर खाड मन जावै, बादीला ढोला जिव घवरावै
जिव घवराव भवरजी, नाज न भावै
मन, तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै।

पाचवो तो मास भवरजी, गोरी धण नै लाग्यो
छठो तो मास भवरजी, गोरी धण नै लाग्यो
म्हारो लापसड्या जिव जावै, हठीला ढोला जिव घबरावै
म्हारो नीबूड मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घबरावै।
जिव घवराव भवरजी, नाज न भाव
मन तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवराव।

सातवो तो मास भवरजी, थारी धण नै लाग्यो
ग्राठवो तो मास भवरजी, थारी धण नै लाग्यो

म्हारो लाडूडै जिव जावै, रमीला ढोला जिव घवरावै
म्हारो घेवरिये मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
जिव घवरावै भवरजी, नाज न भावै
मनै तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवराव ।

नौवो तो मास भवरजी, प्यारी धण नै लाग्यो
पूरा तो मास भवरजी, प्यारी धण नै लाग्यो
म्हारो घाट पीळै मन जावै, गुणसायर ढोला जिव गवरावै
म्हारो ओजरडै मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घवराव ।
जिव घवरावै भवरजी, नाज न भाव
मनै तीखा पाना री मूळी भाव, गुणसायर ढोला जिव घवराव
धोळी धोळी मूळी भवरजी, हरी हरी पती
मनै हरिया पाना री मूळी भावै, गुणमायर ढोला जिव घवराव ।

मूळी

पहलो तो मास भवरजी

लय चार मात्राओ की द्रुत लय

ऽ सारे रे सानी	नीसा सासा नीसा रेग्	सारे रेग् रेरे सा	रे नी सा ऽ
– पह लो तो –	मा – सभ वर जी –	— थारी धणै ने	ला — ग्यो —
×	×	×	×
ऽ सारे रे सानी	नीसा सासा नीसा रेग्	सारे रेग् रेरे सा	रे नी सा सासा
- दू - जो तो -	मा – सभ वर जी –	— थारी धणै ने	ला – ग्या म्हरी
×	×	×	×
ऽ रेम म म	रे म पध मप	ग् ऽरे सा रेसा	नी सासा रे ग्रे
– आ ळ भो	– ळ जि – व –	जा – वै – गुण	सा यर ढो ला –
×	×	×	×
सा रेग् रे सा	र नी सा सासा	ऽ रेम म म	रे म पध् मप
–- जिव घ व	रा — वै म्हारो	— थु — क न	डै - जि - व -
×	×	×	×
ग् ऽरे सा रेसा	नी सासा रे ग्रे	सा रेग् रे सा	र नी सा सास
जा - व - गुण	मा यर ढो ला	— जिव घ ब	रा — व —
×	×	×	×

ऽ मप नी नी	नीसा सासा नीसा रेग	सारे रेग रे सा	रे नी सा सासा
- जिव घ ब	रा - वैभ वर जी -	- ना - ज न	भा -- वै म्हानै
×	×	×	×
ऽ रम म म	रे म पध मप	ग ऽरे सा रेसा	नी सासा रे गरे
- ती - खा पा	ना री मू - ळी -	भा - वैं - गुण	सा यर ढो ला -
×	×	×	×
रेग रे सा	रे नी सा ऽ		
जिव घ ब	रा — वैं —		
	×		

आल

ऊठो मगेजण राणी थारी चाल पिछाणो
म्हास्यू केसरिया सायब उठयो न जाव
उठयो न जावै म्हानै आधा चूधी आवै
म्हानै केसरिया सायब अन्न नही भावै ।
अन्न नही भाव म्हारो जिव घबरावै
म्हानै केसरिया सायब आल मगादयो
छोटो तो देवर गोरी थारो जैपुर जासी
एक टका री गोरी ताई आल ले आसी
छोटो तो देवर गोरी थारो आल जी ल्यायो
आल तो ल्यायर गोरी थारा सासूजी नै दीनो
सासूजी लुकावै गोरी थारी नणद छिपावै
वडी ए जिठाणी गोरी थानै छमक जिमावै

उठो मगेजण राणी थारी चाल पिछाणो
म्हा स्यू केसरिया सायब ऊठायो न जावै
उठयो न जाव म्हानै आधा चूधी आवै
म्हान लस्करिया सायब अन्न नही भावै
अन्न नही भावै म्हारो जिव घबरावै
म्हान अलबेला सायब घेवर मगादयो
छोटोडो बीरो गोरी थारो जयपुर जावै
एक रुपया रा गोरी थारै घेवर ल्यावै
माय मगावै गोरी थारी वहन सजावै
वडी ए भोजाई गोरी थानै न्यूत जिमावै

पूत जी जणजो गोरी, लाडा ए कोडा
आल मगादया गोरी थानै ओडा ए ओडा
न्हावण पूजो गोरी गाजा ए बाजा
घेवर छटादया थानै छाबा ए छाबा
जळवा पूजो गोरी गाजा ए बाजा
घेवर मगादया थानै छाबा ए छाबा ।

ग्राल

उठो मगेजरा राणी थारो
लय चार मात्राओं की द्रुत लय

ऽ मा रे सारे ग	ग सारे मारे ग ररे	ऽ र गम ग रेसा	सा ऽ रेगरेसा ध
- उ ठो म - -	गे जरा रा णी थारी	- चा ल - - पि -	छा - णो - - -
×		×	
मा रे सारे ग	गग सारे सारे ग रे	रे मरे गम ग रेसा	सा ऽ सा ऽ
ऽ म्हा सू के -	सरि या - सा - य	ब उ - ठ्यो - न -	जा — वै —
×		×	
ऽ प प प	पध प पग गग ग	- रेरे रेम ग रेसा	सा ऽ रेगरेसा ध
- उ ठ्यो न	जा - वै - म्हा - नै	ऽ आधा चू - - धी -	आ - वै - - -
×		×	
ऽ सा रे सारे ग	गग सारे सारे ग र	- रेरे गम ग रेसा	सा ऽ सा ऽ
- म्हा ने कै -	सरि या - सा - य	ब अन्न न - ही -	भा — वै —
×		×	

अजवाण

थे तो म्हारा पना मारू बजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
अजमो म्हारै कूण मुलावै म्हारा राज
थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हड़ियो ए जणज्यो
अजमो म्हारा बाबाजी मुलावै म्हारा राज
थारा ए बाबाजी को नही ए भरोसो, नही ए भरोसो
पाचा को ल्यावै, पचीस को बतावै,
अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पना मारू बाजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
घी गुड कूण मुलावै म्हारा राज
थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ये जणज्यो, नान्हड़ियो ए जणज्यो
अजमो म्हारा काकाजी मुलावै म्हारा राज
थारा ए काकाजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
वै पाच को ल्यावै, पचीस को बतावै
अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारू बाजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
गूद म्हारै कूण मुलावै म्हारा राज
थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हड़ियो ए जणज्यो
अजमो म्हारा बीराजी मुलाव म्हारा राज
थारा रे बीराजी रो नही है भरासो, नही है भरोसो
वै पाच को ल्याव, पच्चीस को बतावै
अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारू बजारा नै चाल्या, बजारा नै चाल्या
अजमो म्हारो कूण कुटावै म्हारा राज

थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हडियो ए जणज्यो
अजमा म्हारा बडियाजी कुटावै म्हारा राज
थारा बडियाजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
वै कूटता बिखेरे, पछोडता बिखेरे
अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारू बजारा नै चाल्या, बाजारा न चाल्या
लाडू म्हारा कूण सधासी म्हारा राज ।
थे तो म्हारी चन्दाबरणी हालरियो ये जणज्यो, न्हानडियो ये जणज्या
लाडू म्हारा माऊजी सधावै म्हारा राज ।
थारा माऊजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
वै कूच्या कै लगावै, कढाई कै चिपावे
अजमो म्हारै नही गुण आवै राज ।

थे तो म्हारा पनामारू बाजारा नै चाल्या, बाजारा न चाल्या
लाडू म्हारै कुण गिण घालै म्हारा राज
थे तो म्हारी मिरगा नणी हालरियो ये जणज्यो, नानकडो ए जणज्या
भाभी म्हारा गिण गिण घाल म्हारा राज
थारा भाभीजी को नही है भरोसो, नही ह भरोसो
उठावता बिखेरे, घालता बिखेरे
अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारू बाजारा न चाल्या, बाजारा नै चाल्या
लाडू म्हान कुण पकडावै म्हारा राज
थे तो म्हारी चन्दावरणी हालरियो ये जणज्यो धीनडियो ये जणज्यो
लाडू म्हारी बहन पकडावै म्हारा राज
थारी वहन का नही है भरोसो, नही है भरोसो

अजयाण

ये तो म्हारा पना मारू
लय चार मात्राओं की द्रुत लय

पसा सा सा नी	सा सा रेग् मारे	मग् ग्रे रे रेग	मा ऽ रेम् सारे
ये – तो म्हा रा	प ना मा – रू –	ना - जा - रा नै -	चा — ल्या —
×	×	×	×
मग् ग्रे रे रेग्	सा ऽ रेग् सारे	मम मग् गरे रेग्	नी ऽ नी नी
बा - जा - रा नै -	चा - ल्या - -	अज मो -म्हां - रै -	कू — ण मु
×	×	×	×
सा रेग् रे नी	सा ऽ ऽ सा	सा सा सा नी	सासा सा रेग सारे
ला व – म्हा रा	ग — — ज	थे तो म्हा री	मिर गा न - णी
×	×	×	×
मग ग्रे रे रेग्	मा सा रेग सारे	मग् ग्रे रे रेग्	सा सा रेग सारे
हा - लरि यो म -	ज ण ज्यो - -	ना न्हडि यो ये -	ज ण ज्यो - -
×	×	×	
मम मग ग्रे रेग्	नी नी नी नी	सा रग् रे नी	सा ऽ ऽ सा
अज मो-म्हा-रा-	बा बा जी मु	ला बै – म्हा रा	रा — — ज
×	×	×	×

पसा सा सा नी	मा ऽ रेग् मारे	मग् गुरे रे रेग्	सा ऽ रेग् सारे
था – रा रे वा	बा - जी - को -	न - ही रे भ -	रो – सो – –
×	×	×	×
मग् गुग रे रेग्	सा ऽ रे रेम	मग् ऽ रे रेग्	सा ऽ रे रेम
न ही - र भ -	रो – सो वैं –	पा – – च को –	ल्या – वै प –
×	×	×	×
मग् ऽरे र रग्	सा ऽ रे ऽ	मम मग् गुरे रेग्	नी नी नी नी
चो - - स वो व-	ता — वैं —	अज मो म्हा - रे -	न ही गु ण
×	×	×	×
सा रेग् रे नी	सा ऽ ऽ सा		
आ णै - म्हा रा	रा — — ज		
×	×		

पोमचा

वै तो नणद भोजाया दोन्यू कातती, वै तो करती मनडा री वात
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद बाई पोमचो ।

भाभी जे थारै जनमलो गीगलो, भाभी लेस्या पोमचडा रो वेस
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद बाई पोमचो ।

बाईजी जे म्हारै जनमलो गीगलो, बाईजी च्यार टका रो थारो नेग
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद बाई पोमचो ।

वै तो दूर देसा स्यू आया बाईजी, व तो ल्याया हालरिया रा गीत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो गोखा जो वैठ्या सुसराजी, थारो धीयड नै समझाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो दे ओ म्हारी कुळबहू, पोमचो, थे तो जायो है लाडण पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

व ता पीढा जी वठ्या सासूजी, थारी धीयड नै समझाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

ये तो देओ म्हारी कुळबहू पोमचो, ये तो अवसर जायो है पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

न ना कचड्या मे जाता जेठजी, थारी वहनड न समझाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो देश्रो म्हारी कुळवहू पोमचो, कोई जायो है लाडएा पूत
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वैं तो रसोया मे वैठ्या भाभीजी, थारी नणदल नै समझाय
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

थे तो देवो न दयोराणी म्हारा पोमचो, कोई म्हे भी दिया दोय रै च्यार
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वैं तो घुडला डकाता लाल जी, थारी वहनड नै समभाय
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

थे तो देवो ना भोजाई म्हारी पोमचो, भर जोवन जायो है पूत
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वैं तो महला मे वैठ्या दयोराणी, थारी नणदल नै समभाय
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

थे तो मत दयो भाभीजी म्हारा पोमचो, आपा नित उठ जणस्या पूत
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वैं तो सेज चढता मारूजी, थाकी वहनड नैं समझाय
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो

थे तो देवो नै मारुणी म्हारी पोमचो, थानै और रगावा दोय र च्यार
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

म्हार आगण खूटो केर कोई रेसम की है डोर
रसिया वालम हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

मैं तो कस कस बाधू वाईजी, कोई ढीला वाईजी रा बीर
रसिया वालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वै तो ढीला सा वधग्या बाईजी, कोई कमग्या बाईजी रा वीर
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

मै तो धाई ये भौजाई थारो पोमचो, थे तो छोडो वीराजी रा हाथ
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

म्हारै श्रागण कोचड माचियो, कोई फिसल्यो बाईजी रो पाव
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो जीव छुडा भाग्या बाईजी, कोई टूट्या चाका का च्यारू दात
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो श्रोल्यो बाईजी म्हारा पामचा, कोई फरू मत श्राज्यो म्हार बार
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

म्हे तो श्रास्या जो जास्या बाप कै, इमे थारै पीयर को काई जाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

पोमचो

वैं तो नणद भोजाई

छः मात्राओं की मध्य लय

ऽ ऽ ऽ	ऽ सा सा	रेग ग सा	रेग म ग
— — —	— वैं तो	नण द भो	जाई दो न्यू
×		×	
रेसा मा ऽ	सा सा सा	रेग गमग रेसा	रेग पम ग
का — त —	ती वैं तो	कर ती – –	मन डा – री
×		×	
रे ऽ रे	रेग ग रे	गरे मा नी	नी सा ऽ
रा — त	रसि या —	बा — ल म	ह ठ —
×		×	
रग गरे सा	रेग म ग	रेमा सा ऽ	सा
ला – ग्यो – न	णद बा ई	पो — म —	चो
×		×	

जामुन

पहलो मास प्यारी धण नै लाग्यो
दूजो मास प्यारी धण नै लाग्यो
तो आळ भोळ जिव जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदचो

हाथा रा तोडया जामुन मैं नही खाऊ
सोनै रे चिटिये तुडायदचो
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदचो

तीजो मास प्यारी धण नै लाग्यो
चौथो मास प्यारी धण नै लाग्यो
तो खीर खाड मन जाय जो
राब दहिया मन जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदचो

आगण का पडिया जामुन मैं नही खाऊ
रेशम को दुपट्टो बिछायदचो
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदचो

पाचवो मास प्यारी धण नै लाग्यो
छठो मास नाजुक धण न लाग्यो
तो लापसडचा जिव जाय जी
तो नीवूडा जिव जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदचो

सेर न खाऊ, दो सेर न खाऊ

खाऊ गी दोय रे चार जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायद्यो

सातवो मास गोरी धण नै लाग्यो
आठवो मास सुहागण नैं लाग्यो
तो घेवरिया मन जाय जी
तो लाडूडै मन जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायद्यो

हाथा रा तोड्या जामुन मैं नही खाऊ
तो सोने रे चिटिये तुडायद्यो
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायद्यो

नवो जी मास प्यारी धण नै लाग्यो
पूरा जी मास प्यारी धण नै लाग्या
ओवरडै चित जाय जी
धोनड रो शब्द सुणाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायद्यो ।

जामुन

पहलो मास प्यारी
चार मात्राओं की द्रुत लय

ऽ नी़ ध नी़	सा ऽ रे ग	रेग म गग रे	नी ऽ सा ऽ
— पह लो —	मा — स प्या	री — धण नै	ला – ग्यो –
×	×	×	×
ऽ नी़ ध नी़	सा ऽ रे ग	रेग म गग रे	नी ऽ सा सा
— पह लो —	मा – स प्या	री — धण नै	ला — ग्यो तो
×	×	×	×
ऽ ग ग ग	ऽ म रे रे	गप ऽम ग ऽ	सा सा रे ग
— आ ळ भो	— ळ जि व	जा – वै जो –	पि या र त
×	×	×	×
रेग म ग ग	सा सा रे ग	रेग म ग ग	सा सा ध नी
ना — ग र	छै ला र त	ना — ग र	जा मु न म
×	×	×	×
सा ऽनी सा ऽ			
गा – य थो –			
×			

मगेजण जच्चा

पिया कोरे कोरे कूंडे केसर घोळो, जामे लाम्बा लाम्बा केश भिकोळो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा ।
पिया रतन कागसै बाया, कोई तेल फुलेल लगाया
जी मुख बोलो मिजाजण जच्चा ।
पडछाया बैठ सुखाया, कोई सूरज किरण गुथवाया
जी मुख बोलो नखराळी जच्चा ।
पिया मोतीडा माग भराई, कोई जडियो बोर गुथाई
जी मुख बोलो चरिताळी जच्चा ।
गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, सासूजी रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा ।
पिया सासूजी नाही सुहावै, बै रात्यू पाव चम्पावै
जी मुख बोलो चन्दरावळी जच्चा ।
गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, भाभीजी रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा ।
पिया भाभीजी नाही सुहावै, बै आधो द्रव्य बटावै
जी मुख बोलो मिजाजण जच्चा ।
गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, बाईसा रै हुक्मा रहिज्यो
जी मुख बोलो नखराळा चच्चा ।
पिया बाईसा नाही सुहावै, म्हारो बुगचो वठ खुलावै
जी मुख बोला चरिताळी जच्चा ।
गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, दयोराणी रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा ।
पिया दयोराणी बहुत सुहावै म्हारो आधो काम बटावै
जी मुख बोलो चन्दरावळी जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, पाडोसण रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो चन्दावरणी जच्चा।
पिया पाडोसण नाही सुहावै, वा नित ऊठ राड करावै
जी मुख बोलो मिरगानैणी जच्चा।
गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, भायली रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा।
पिया भायली बहुत सुहावै, वा रूस्या भवर मनावै
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा।
गोरी एक अरच म्हारी सुणज्यो, सायबजी रै हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो नखराळी जच्चा।
सायबजी बहुत सुहावै, म्हारो मोहरा मुठडी भरावै
जी मुख बोलो चन्दावरणी जच्चा।

मगेजण जच्चा

पिया कोरे कोरे कुण्डे केसर
चार मात्राओं की द्रुत लय

ऽ ऽ रे रसा	नी सा नी सा	रे रम रे सासा	नी ऽ सा ऽ
-- पि या -	को रे को रे	कू ण्डे के सर	घो - ळो -
×	×	×	×
ऽ ऽ रेम म	म म म म	म पम रे रे	म प प मप रे
—— जा मे	ला बा ला बा	के — श झि	को - ळो -
×	×	×	×
म पम रे सा	नी सा ऽ ऽसा	रेम रेम रे सा	नी ऽ सा ऽ
जी — मु ख	बो लो -- म	गे - ज ण	ज - च्चा -
×	×	×	

जच्चा

सायबा बागा मे बोले जी मोर,
झरोखा बोली कोयली श्रो गोरी रा स्याम
झरोखा बोली कोयली जी राज ।
सायबा थारी घण जायो छै पूत,
सवा गज धरती ऊमटी श्रो गोरी रा स्याम
सवा गज धरती ऊमटी जी राज ।
सायबा माथा नै मैमद ल्याय,
कोई पीळे सोने राखडी जी गोरी रा स्याम
कोई पीळे सोने राखडी जी राज ।
सायबा काना न कुण्डळ ल्याय,
कोई ऊपर झबरक झूठणा श्रो गोरी रा स्याम
कोई ऊपर झबरक झूठणा जी राज ।
सायबा मुखडा नै बेसर ल्याय,
कोई ऊपर झुमकी जडाव की जी गोरी रा स्याम
कोई ऊपर झुमकी जडाव की जी राज ।
सायबा गळै नै टीकावळ ल्याय,
कोई तिलडी ऊपर टेवटो जी गोरी रा स्याम
कोई तिलडी ऊपर टेवटो जी राज ।
सायबा बया नै बाजूबद ल्याय,
कोई गजरा ल्याज्यो गूथवा श्रो गोरी रा स्याम
कोई गजरा ल्याज्यो गूथवा जी राज ।
सायबा पगल्या न पायल ल्याय,
कोई नान्हे बाज बोछिया जो गोरी रा स्याम
कोई नान्हे बाजै बीछिया जी राज ।

सायवा कडया नै पटोळो जी ल्याय,
कोई ऊपर पीळो केसरया जी गोरी रा स्याम
कोई ऊपर पीळो केसरयां जी राज ।
सायवा आगण म्हारै अगड ढुळाय,
कोई वगड ढुळावो हीगळू जी गोरी रा स्याम
कोई वगड ढुळावो हीगळू जी राज ।
सायवा पळिया म्हारी काच जडाय,
कोई हाल मालती पग धरू जी गोरी रा स्याम
कोई हाल मालती पग धरू जी राज ।
सायवा पोळया मे ढोल वजाय,
कोई ज्यू रै सुण म्हारै बाप कै जी गोरी रा स्याम
कोई ज्यू र सुणै म्हारै बाप कै जी राज ।
सायवा आगण म्हारै गीत गुवाय,
कोई ज्यू जुग जाणै गीगो जनमियो जी गोरी रा स्याम
कोई ज्यू जुग जाणै गीगो जनमियो जी राज ।
सायवा इतरी म्हारी रळी ए पजोय,
कोई जद होलर मे सीर द्यू जी गोरी रा स्याम
कोई जद होलर मे सीर द्यू जी राज ।
गोरी ए तू धण असल गिवार,
कोई थारो म्हारो गीगो सीर को ए घर की नार
कोई थारो म्हारो गीगो सीर को जी राज ।

जच्चा

सायबा बागा मे बोल्याजी मोर

चार मात्राओ की द्रुतलय

ऽ ऽ रेरे र	मरे रेरे म रे	परे रे प म	ऽ रेम रे सा
— — साय बा	- बा - गा मे	बो - - ल्या जी	- मो - र म्ह
×	×	×	×
नी सा रेम म	ऽ प पध ध	ध पध धध प	ऽ पम मरे रेप
रो खा बो - ली	— को — य	ली आ - गोरी रा	- स्या - म - म्ह -
×	×	×	×
रे रेप पम मरे	रे ऽम रे नी	सा ऽसा ऽ ऽ	
रो खा - बो - लो -	को - य नी जी	रा - ज - -	
×	×	×	

पीळो

घर घर मारूजी गावै छै गीत, अनोखो पीळो म्हे सुण्यो जी, म्हारा राज
घर घर मारूणी जाया छै पूत,
कोई ये धन जाई धीयडी जी, म्हारा राज ।
मरू ए क जीऊ म्हारी माय
कमधजिया मोसा बोलिया जी म्हारा राज ।
थे क्यू मरो ए म्हारी धीय,
कोई मरज्यो भवरजी री दूसरी जी, म्हारा राज ।
कूण्या आगै करू नी पुकार,
म्हारी कृण सुणलो बीणती जी, म्हारा राज ।
बेमाता आगै करू ली पुकार,
म्हारो राम सुणलो बीणती जी, म्हारा राज ।
हालरिया रो पहलो जी मास
म्हारो गाळ भोळ मनडो गयो जी म्हारा राज ।
हालरिया रो दूजो जी मास
म्हारो थूक्तडै मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
लाग्यो धण नै इगणो जी मास,
म्हारो राब थया मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
प्यारी धण नै चौथो जी मारू
म्हारो खीर खाड मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
पडोसण म्हारी चतुर सुजान,
उपराडै ल्याय पकडायसी जी, म्हारा राज ।
हालरियो रो पाचवो जी मास,
म्हारो लापसड्या मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
सासूजी म्हारा चतुर सुजान,
पचधारी ल्याय जिमायसी जी, म्हारा राज ।

लाग्यो धरण नैं सातवो जी मास,
म्हारो नीवूड़ै मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
देवरियो म्हारो चतुर सुजान,
नखचोल्या ल्याय चुसायसी जी, म्हारा राज ।
लाग्यो धण नैं आठवो जी मास,
म्हारो घेवरिया मनडो गयो जी जी, म्हारा राज ।
माऊजी म्हारा चतुर सुजान,
कोई छाबा भर पहुचायसी जी, म्हारा राज ।
केसरिया म्हारा चतुर सुजान,
कोई गोडा बठ जिमायसी जी, म्हारा राज ।
लाग्यो धण नैं नौवो जी मास,
म्हारो घाट पीळै मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
लाग्या धण नैं पूरा जी मास,
म्हारो ओवरडै मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
वेमाता म्हारी चतुर सुजान
धीनड रो सवद सुणाइयो जी, म्हारा राज ।
मारूजी नैं उरा ये बुलाय,
थाका बोल्या वचन चितायल्यो जी, म्हारा राज ।
हस हस गोरी बोल्या छा बोल,
सुरग्यानण हिरदै लिख लिया जी, म्हारा राज ।
पोत पाली रो मगाय,
रगरेजो जपुर शहर को जी, म्हारा राज ।
हळद ल्हाडोतो मगाय,
कसूबो बीकानेर को जी म्हारा राज ।
पीळो मारूजी वठ रगाय,
कोई नान्ही वरण बधायज्यो जी, म्हारा राज ।
पीळो ओढ साजनिया री धीय
कोई ग्रड ये घरा री कुळबहू जी, म्हारा राज ।

पीळो मोढ हालरिया री माय
कोई सैण भवरजी री बालमी जी, म्हारा राज ।
थळिया मारूजी रतन जडाय
कोई वगड ढुळाग्रो जाजा हीगळू जी, म्हारा राज ।
ग्रागण मारूजी काच जडाय,
कोई हालमलन्ती पग धरू जी, म्हारा राज ।
रे म्हारा जिवडा गरब न बोल,
थारा इतरा कुण निरवाणसी जी, म्हारा राज ।
निरवाणला सुसराजी रा जोध,
कोई वाकी लेखण सिग चढया जी, म्हारा राज ।

पीळो

घर घर मारूजी

नय चार मात्राओं की द्रुत नय

साध सामा मामा सा	गरे म म मग	रेग मा मा गासा	गर म म मग
घर घर मारू जी	गा - वै छ-	गी — त कोई	गा — व छे-
×	×	×	×
रेग मा सा सा	गरे गम गमा रे	गरे ग रे म	गरे गरे सा नी
गी— — त ग्र	नो खो -पी-ळो	म्हे — — सु	ण्य--जी--म्हा रा
×	×	×	×
सा ऽ सा सा	गरे गम गसा रे	गरे ग रे म	गरे गरे सा नी
रा — — ज	नो-खो-पी-ळो	म्हे — — सु	ण्यो जी-म्हा रा
×	×	×	×
सा ऽ ऽ सा			
रा — — ज			

पीळा

सोनीडा री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
गजरा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज

गजरा मायला मोती दोय ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल वाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा वालमा, पीळा री बूदी पर महक केवडो जी राज

रगरेजा री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
पीळो मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज ।

पीळा मायला सुलमा तारा ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजग धण रा बालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज ।
बजाजी री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
लहगा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा वालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज।
लहगा मायली कळिया दोय ऊबरी जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज ।
हलवाई री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
लाडूडा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज ।
लाडू मायला खेरा चूरा ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा वालमा, पीळा री बूदी पर महकै केवडो जी राज ।

पीळा

सोनीडारी हाट भवरजीनै

लय चार मात्राओ की द्रुत लय

रे रेसा सा मा	सारे रेम मम पम	रे ऽसा नी नीसा	सा ऽ ऽ सा
सो नी - डा री	हा - ट भ व र जीनै	म्हे - सु ण्या जी-	रा — — ज
×	×	×	
रे रेसा सा सा	सारे रेम मम पम	रे ऽसा सामा सा	रे ऽम म पम
ग ज - रा घ	डा-वै गोरी रा -	स्या - म गोरी रा	सा - य बा मि
×	×	×	×
रे रेसा सासा सा	रे ऽम मप मम रे	रे रेसा सा सा	सारे रेम मम पम
जा जण घण रा	बा - ल मा - - -	पी ळा - री बू	दी - पर महं च
×	×	×	×
रे ऽसा नी नी	सा ऽ ऽ सा		
के - व डो जी	रा — — ज		
×	×		

पीळा

थारी तो दाई जो ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै ल्याओ जी गुणसायर ढोला
ओजी ओ बादीला ढोला
भवर पिलग पर पीडा गैरी गैरी आवै

गहरी गहरी आवै लसकरिया, दूणी दूणी आवै
म्हारो चन्द्रबदन कुम्हळावै जी बाईसा रा वीरा
दाई माई आवै, नाजुक जीव छुडावै
थारी बोली अब नाय सुहावै जी, लस्करिया ढोला
भवर पिलग पर पीडा, गहरी गहरी आवै ।

थारा तो माऊजी ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै ल्याओ जी, मिजाजी ढोला
सासूजी आवै गहरो थाळ बजावै
म्हे दूणो मो मान बढावा, जी, हजारी ढोला
महला मे होलर राजा सबद सुणावै ।

थारी तो भावज ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै ल्याओ जी नखराळा ढोला
भाभीजी आवै म्हारै पिलग बिछावै
म्हारै महला मे दिवलो जगावै जी, बादीला ढोला
गोरी कै बदन पर पीळो अधिक सुहावै ।

थारी तो बहना ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो साग ल्याओ जी, नणदल रा बीरा
बाईसा आवै साळा साथिया दिरावै

म्हारै नान्हा रा झगला टोपी ल्याव, ओ गुणसायर ढोला
बाईसा आव म्हार आरती सजोवै ।

थारा तो जोसी ढोला म्हारै नहीं आवै
थे आप पधारो सागै ल्याओ जी, रसीला ढोला
जोसी जी गीगा रो न्हावण पुजावै
म्हे गहरो सो नेग चुकास्या जी हजारी ढोला
गोरी कै बदन पर पीळो अधिक सुहावै ।

पोळा

थारा तो माऊजी ढोला

लय चार मात्राओ की द्रुत लय

ऽ धसा सा रेग	गम पध म मग	रे गम रेग सा	सा ऽ सा ऽ
- था- री तो-	दाई जो- ढो ला-	- म्हारै न- ही	आ - वै -
×	×	×	×
ऽ धसा सा रेग	गम पध म मग	रे गम रेग सा	सा ऽ सा सा
- था- री तो-	दाई जी ढो ला	- म्हारै न- ही	आ - वैं थे
×	×	×	×
ऽ सा रेग ग	गम पध म मग	रेग गग सारे गग	गम पध म मग
- आ प- प	धा- रो- सा गै-	- ल्यावो जी- गुण	सा- यर ढो ला-
×	×	×	×
रेग गग सारे ग	गम पध म मग	रेग सासा रेग ग	गम पध म मग
- ओजी ओ- बा	दी- ला ढो ला-	- भव र- पि	लग पर पी हा-
×	×	×	×
रे मग रेग सा	सा ऽ सा ऽ		
- गैरी गै- री	आ - वै -		
×	×		

पीळा

देवर पानीडा नैं गई थी तळाव, जी देवर
तीतर पङ्खो बादळ उमटचो जी ओ राज।
भाभी भिरमिर बरसैलो मेह् ओ भाभी
पीळो तो भीजैं थारो केसरचा जी ओ राज।
देवर भीजैं है तो भीजण दयो, जी देवर
ओर रगास्या पीळो केसरचा जी ओ राज।
भाभी शीश बण्यो नारेळ, ओ भाभी
चोटी तो बासक राजा बस रह्या जी ओ राज।
भाभी मोतीडा स्यू दीपै जी लिलाड, ओ भाभी
भवारा ए भवरा पडचा जी ओ राज।
भाभी नाक सुआ की सी चाच, ओ भाभी
नैण सलूणा थारा होय रह्या जी, ओ राज।
भाभी दात दाडम का सा बीज, ओ भाभी
जीभडल्या डमरत बसै जी ओ राज।
भाभी बाय चम्पा की सी डाळ ओ भाभी
मू गफळी सी थारी आगळी जी ओ राज।
भाभी पट पीपळ को सो पान, ओ भाभी
पसवाडा पाना पडया जी ओ राज।
भाभी पाव देवळ को सो थाब ओ भाभी
पीडी तो बेलण वेलिया जी ओ राज।
भाभी फाबो सठवा सू ठ ओ भाभी
एडी तो सुरग सुपारिया जी ओ राज।
भाभी काई थानै घडी जी सुनार, ओ भाभी
काई थानै सचे उतारिया जी ओ राज।

देवर नही म्हानै घडी जो सुनार, जी देवर
नही म्हानै सचे उतारिया जी श्रो राज ।
देवर जनम दियो म्हारी माय, जी देवर
रुप दियो है राजा रामजी, जी श्रो राज ।
भाभी धन थारा माय र बाप, श्रो भाभी
ज्यारे थे श्रोदर उपन्या जी श्रो राज ।
भाभी धन म्हारा बडा भाई रो भाग, श्रो भाभी
ज्यारी थे सेजा सुन्दर सोवणा जी श्रो राज ।
देवर धन थारी सुगणी जीभ, जी देवर,
रूप वखाण्यो म्हारै जिव को जी श्रो राज ।
भाभी धन थारी सुगणी कूख, श्रो भाभी,
वस वधायो म्हारै बाप को जी श्रो राज ।

पीळा

देवर पाणीडैने गई थी

सात मात्राओं की मध्य लय

			सा ऽ सा सा
			दे - व र
र रे म	सा ऽ सा ऽ	रेम सारे ऽ	म ऽ प म
पा णी –	ड - ने -	ग — ई —	थी – – त
×		×	
प प ऽ	प ऽ प प	म नी ऽ	ध नी प ध
ळा — –	– – – व	जी — –	दे — व र
×		×	
म म ऽ	प ध म प	ग् ग् ऽ	रेम ग् सा सा
ती — –	त — र –	प ख्यो –	बा — द ळ
×		×	
रे रे ऽ	म ऽ म ऽ	मप ऽ ऽ	रेम ग् रेसा ऽ
उ — –	– – म –	ट्चो – –	जी – ओ –
×		×	
सा ऽ सा			
रा — ज			
×			

पीळा

पाच मोहर को सायबा पीळो रगादयो जी
तो हाथ अठासी गज बीसी गाढा मारूजी, पीळो रगादयो जी ।
दिल्ली ए शहर का सायबा पोत मगाओ जी
तो जैपुर का रगरेजा गाढा मारूजी, पीळो रगादयो जी ।
राय आगण बिच सायबा केसर घुळाओ जी
तो जच्चा रो पीळो रंठ रगाओ गाढा मारूजी, पीळो रगादयो जी ।
अल्ला तो पल्ला सायबा मोहर रुपैया जी
तो बिच बिच चाद छपाओ गाढा मारूजी, पीळो रगादयो जी ।
आप सरीसा दोय छैल बुलाओ जी,
तो दे फटकार सुखाओ गाढा मारूजी, पीळो रगादयो जी ।
रग्यो ए रगायो सायबा होयो ये सजोतो जी
तो पड़दा मे पकड़ाओ गाढा मारूजी, पीळो भल ओढा जी ।
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा पाटै पर बैठी जी
तो सासू नणद सरायो गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो जी ।
कै बहूराणी थारी माय रगायो जी
तो कै ननसाळा स्यू आयो बहू म्हारी ए, पीळो भल ओढो जी ।
ना सासूजी म्हारी माय रगायो जी
तो नही ननसाळा स्यू आयो सासू म्हारा जी, पीळो भल ओढो जी ।
सासूजी को जायो भोळी बाईमा को बीरो जी
तो पीळो म्हारा राजन रगायो सासू म्हारा जी, पीळो भल ओढाजी
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा सरवर नै चाली जी
तो सगळो शहर सरायो गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो जी ।
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा महल पधारो जी
तो कोई ये निरास्यो नजर लगाई गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो[illegible]

आख्या नही खोल म्हारी जच्चा, मुखडे नही बोलै जी
तो जच्चा का राजन निरखया डोलै गाढा मारूजी, पीळो भल ओढाजी।
दिल्ली ये शहर को मायवा वैद बुलाओ जी
तो जच्चा को हाथ दिखाओ गाढा मारूजी, पीळो भल ओढा जी।
झाड झाड का रे वैद रोक रुपैया जी
तो हाथ दिखाई मोहर पचीसा गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो जी।
आप चढण को सायबा घुडलो बकसाओ जी
तो जच्चा के जोर को बधाई गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो जी।
आख्या भी खोलै म्हारी जच्चा मुखडे भी बोलै जी
तो जच्चा का राजन हरखया डोलै गाढा मारूजी, पीळो भल ओढोजी।
थे छो वैद का बेटा असल ठगोरा जी
म्हारा भोळा मा राजन ठग लीना गाढा मारूजी, पीळो भल ओढोजी।
थे छो म्हारी मिरगानैणी असल ठगोरी जी
तो ठग कर वद बुलाया मिरगानैणी ए, पीळो भल ओढो जी।
म्हे म्हारा मारूजी को यो मन लेवै था
कि प्यारा हा कि दुप्यारा गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो जी।
सेज चढन्ती जच्चा सदा ये पियारी जी
तो पूत जण्या स बहुत पियारी मिरगानैणी ये, पीळो भल ओढो जी

पीळा

पाच मोहर को सायबा

चार मात्राओ की द्रुत लय

ऽ मप नी नी	मासा सा नीसा मा	ऽ ग् रे सा	रे नी सा ऽ
- पा- च मो	हर को साय बा	- पी ळो र	गा द्यो जी -
×	×	×	×
ऽ मप नी नी	सासा सा नीसा सा	नीसारेग् ग् रे सा	रे नी सा सा
- पा- च मो	हर को साय बा	— पी ळो र	गा द्यो जी तो
×	×	×	×
ऽ ग् ग् रे	म ग् रेग् रे नी	सा रेग् रे सा	नी नी सा ऽ
- हा थ अ	ठा सी ग- ज	बी सी- गा ढा	मा रू जी -
×	×	×	×
ऽ ग् रे सा	रे नी सा ऽ		
- पी ळो र	गा द्यो जी -		
×	×		

राखी

ए कुण राखी रा गाहकी जी राखी सोना की
कोई ए कुण खरचैला दाम राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की
सुसराजी राखी रा गाहकी जी राखी सोना की
कोई जेठजी खरचैला दाम राखी सोना की
पो ल्याई रे पटवा पाट राखी सोना की
बिच मे स्यू पनामारू ले आया जी राखी सोना की
म्हारी सायघण जायो छै पूत राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की
थे जुग जीवो गोरी रा सायबा जी राखी सोना की
कोई थे म्हारो मान बढाय राखी सोना की
पो ल्याई रे पटवा पाट राखी सोना की
थे जुग जीवो म्हारो मनसई जी राखी सोना की
कोई बाबाजी रो बस बधाय राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की

राखी

ए कुण राखी

चार मात्राओं की मध्य लय

ध ऽ ध ध	ध ऽ ध ध	प प ऽ म	रे म प म
ए - कु ण	रा - खी रा	– गा - ह	की जो रा खी
×	×	×	×
रे ऽ सा ऽ	सा ऽ नी सा	रे ऽ रे सा	रे रे म पम
सो - ना -	की - को ई	ए - कु ण	ख र चै ला-
×	×	×	×
रे ऽ ऽ रे	रे ऽ म पम	रे ऽ सा ऽ	सा ऽ नी सा
दा - - म	रा - खी —	सो - ना ऽ	की - घ ड
×	×	×	×
रे रे रे सा	रे रे म पम	रे रे रे सा	रे ऽ म पम
ल्या ई रे —	च त र सु-	ना – – र	रा - खी —
×	×	×	×
रे ऽ सा ऽ	सा ऽ ऽ ऽ		
सो - ना -	की - - -		
×	×		

बगडी

माथै नै मैंमद ल्याम्रो रगरसिया,
झुठणा घडाम्रो पिया ग्रजार की घडी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।
बाजणी सी बगडी, उदियापुर की चुनडी,
म्हारा सासूजी रै पाव पडता बाजैली घणी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।

मुखडा नै वेसर ल्याम्रो रगरसिया,
टैवटियो घडादचो पिया ग्रवार की घडी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।
बाजणी सी बगडी, हीरा जडी रखडी
म्हारा हालरिया नै भोटो देता बाजैली घणी,
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।

वेया नै चुडलो ल्याम्रो रग रसिया,
गजरा घडादचो पिया ग्रवार की घडी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।
बाजणी सी बगडी, मोतिया री तिलडी
म्हारा ग्रालीजा र महल चढता बाजलो घणी
लेदचो भवर म्हान बाजणी सी बगडी ।

पगल्या नै पायल ल्याम्रो रगरसिया,
बिछिया घडादचो पिया ग्रबार की घडी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी
बाजणी सी बगडी, सोनै री तगडी
म्हारै घाघरै री घूमर ऊपर सोवै तगडी
लेदचो भवर म्हानै बाजणी सी बगडी ।

बगडी

माथोनै मैमद ल्यायो रग रसिया

चार मात्राओं की द्रुत लय

म ऽ म प	ध नीध प प	प पध म म	म मप परे ऽ
मा - थैं न	मैं — म द	ल्या ओ- र ग	र सि- या -
×	×	×	×
म म म प	ध ध ध धप	म ऽम म प	ध ऽ नीध प
फु ट रणा ध	डा थो पि या-	बा -र की प	डी - - -
×	×	×	×
म म ऽ प	धध नी प प	प ऽप धप म	म मप परे रे
ले यो - म	वर जी- म्हा नै	बा -ज णी सी	ब ग- डी- -
×	×	×	×
सा ऽमा सा सा	मा रेंमा ध ऽ	पध ध धध पध	म म म मरे
बा -ज णी सी	ब ग- डी -	उदि या पुर की-	चु न डी म्हारा
×	×	×	×
म म म प	ध ऽनी ध प	म म म प	ध ऽ नीध प
सा सू जी रै	पा-व प ड न्ता	बा जै ली ध	णी - - -
×	×	×	×

म म ऽ प	धध नी ध प	प ऽप धप म	म मप परे रे
ले थो - भ	वर जी म्हा नें	वा -ज णी सी	व ग डी -
×	×	×	

मेंहदी

श्रोर खरीदें रखडी मेमद मारूजी खरीदें मेहदी
श्रालीजा हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
श्रोर खरीदे भवरक झुठणा मारूजी खरीदें मेहदी
श्रालीजा हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
मारुणी महल पधारो ए हाथा स्यू लगावा मेहदी

म्हारी नणद लाडली बाट छणाई हाथा से लगाई मेहदी
श्रालीजा हठ छोडो जी हाथा मे रच रही मेहदी
मारुणी महल पधारो ए थारी तुरत सुखादचा मेहदी

श्रोर खरीदें तिलडी टेवटो मारूजी खरीदें मेहदी
बादीला हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
श्रोर खरीदे बाजूबद गजरा मारूजी खरीदें मेहदी
मनभरिया हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
मारुणी महल पधारो ए थारें हाथ रचादचा मेहदी

म्हारी नणद लाडली बाट छणाई हाथा मे लगाई मेंहदी
श्रालीजा हठ छोडो जी हाथा मे रच रही मेहदी
मारुणी महल पधारो ए थारी तुरत सुखादचा मेहदी

श्रोर खरीदे पायल बिछिया, मारूजी खरीदें मेहदी
बादीला हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
श्रोर खरीदे पीळो पोमचो, मारूजी खरीदे मेहदी
रसीला हठ लाग्या जी महला मे श्रावो गोरी
मारुणी महल पधारो ए हाथां की निरखा मेहदी

म्हारी नणद लाडली वाट घणाई, हाथा मे लगाई मेहदी
गादोला पल्लो छोडो जी हाथा मे रच रही मेहदी
मारूणी महल पधारो ए हाथां की निरखां मेहदी
मारूणी महल पधारो ए माहरां स्यू भरदया मूठी ।

मेह्दी

चार मात्राओं की द्रुतलय

सा सासा सा साप	पप पनी ध पप	गग गग गम प धप	मग म ऽ ऽ
ओ रख री दे-	रख डी- मे मद	मारू जीख री- दे-	मेह् दी - -
×	×	×	×
सा सासा सा साप	पप पनी ध पप	गग गग गम प धप	मग म ऽ ग्
ओ रख री दे-	रख डी- मे मद	मारू जीख री- दे-	मेह् दी - आ
×	×	×	×
रे ग् सा रे	रेप प पम धप	ग् ग्रे सा रे	नी सा ऽ ऽ
ली जा ह ठ	ला- ग्या जी मह	ला मे- आ वो	गो री ऽ ऽ
×	×	×	×

चूड़ो

थे तो सुणो जी सुसराजी वहू री वीणती,
थारा कवरा नै ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी कुळ वहू,
था का आलीजा नै थे ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।

थे तो सुणोजी जेठजी वहू री वीणती,
थारा बीराजी नै ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी कुळ वहू,
था का आलीजा नै थे ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।

थे तो सुणो जी लालजी म्हारी वीणती,
थारा दादाभाई नै ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी भावज जी,
था का आलीजा नै थे ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी न गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।

थे तो सुणो जी भवरजी गोरी री वीणती,
थाका साथीडा मे ओळग जाता रहिजो म्हारा राज,
गोरी नै गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।
गोरी थे जुग जीवो म्हारी मनसई,
म्हारा बावाजी रो वस बधायो म्हारा राज,
गोरी न गुलाबी चूड़ो हद बण्यो ।

चूडो

लय सात मात्राओ की मध्यलय

ऽ ऽ ऽ	ग् ऽ ग् रे	सा रे ऽ	नी ऽ नी नी
– – –	थे – तो –	सु -णो –	जी – सु स
×			
सा सा ऽ	ग् ग् ग् रे	सा रे ऽ	नी ऽ- नी ऽ
रा जी –	ब हु री –	बी — –	ण – — –
×			
सा सा ऽ	सा ऽ सा प	प प ऽ	पनी धनी ऽ ध
ती – –	था – रा –	क व –	रा– — – नै
×			
प ध् प	म ऽ म ऽ	रे म ऽ	प ध् म प
ओ ळ ग	जा – ता –	रा खो –	म्हा – रा –
×			
ग् ऽ सा	सा ऽ सा प	प प ऽ	पनी धनी ऽ ध
रा – ज	था – रा –	क व –	रा– — – नै
×			

प ध् प | म ऽ म ऽ | रे म ऽ | प ध् म प

ओ ळ ग | जा – ता – | रा खो – | म्हा – रा –

×

ग् ऽ रे | सा रे सा ऽ | सा रे ऽ | नी ऽ ऽ नी

रा – – | — – – जा | गो री – | नै – – गु

×

सा सा ऽ | रेम ग् ग् रे | सा रे ऽ | नी ऽ नी ऽ

ला बी – | चू – डो – | ह द – | ब – – –

×

सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा रे ऽ | नी ऽ ऽ नी

ण्यो – – | — – — – | गो री – | नै – – गु

×

सा सा ऽ | रेम पध् प ऽ | ग् ग रे | नी ऽ नी ऽ | सा सा ऽ

ला बी – | चू - — डो – | ह द – | ब – — – | ण्यो – –

×

चूडा

गाडा तो आया गुजरात रा जी, माय गूगळिया री भात
केसरिया, पिव चुडलो पहराय।
केसरिया, लाल चूडो पहराय।
ल्याय उतारचा चानए चौक मे जी, गाहक फिर फिर जाय
हठीला सायब पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
ए कुए चुडल रा गाहकी जी ए कुए खरचैला दाम
मिजाजी ढोला, पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
सुसराजी चुडलै रा गाहकी जी, जेठजी खरचैला दाम
हजारी ढोला, पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
बिच मे स्यू पनामारू ले आयाजी, प्यारी धए जायो है पूत
रसीला ढोला पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
सुसराजी म्हारा थे बडा जी, चुडल रो मुहरत कढाय
अलबेला ढोला, पिव चुडलो पहराय।
कसरिया लाल चूडो पहराय।
जोसीजी म्हारा थे बडा जी, म्हारै चुडलै रो मुहरत बताय
बादीला ढोला पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
बाईजी म्हारा थे बडा जी, चुडला रै राखी बधाय
मनभरिया, पिव चुडलो पहराय।
केसरिया लाल चूडो पहराय।
सासूजी म्हारा थे बडा जी, चुडलै रा गीत गवाय

मिजाजी ढोला, पिव चुडलो पहराय ।
केसरिया लाल चूडो पहराय ।
सायबजी म्हारा थे बडा जी, मोहरा स्यू मुठडी भराय
रसीला पिया, पिव चुडलो पहराय ।
केसरिया लाल चूडो पहराय ।
वार शनीचर छोडदयो ए गोरी, पहरो नै सोमवार, नखराळी गोरी
लाल चूडो भल पैहरो ।
नान्हा री मायड लाल चूडो भल पैहरो ।

चूडा

लय छे मात्राओ की द्रुतलय

सा	साप	प	पप	ध्	प	मप	ग	ग	गम	प	ऽ
गा	डा-	तो	आया	गु	ज	रा-	–	त	रा-	जी	-
×						×					
सा	साप	प	पनी	ध्	प	मप	ग	ग	गम	प	ऽ
गा	डा-	तो	आया	गु	ज	रा	–	त	रा-	जी	-
×						×					
प	नीध	नी	धप	प	ध्	मप	ग	सा	गम	प धुप	म
मा	य-	गु	गळि	या	री	भा-	त	के	सरि	या-	–
×						×					
पप	म	म	मप	ग	सासा	सा	सा	पम	मम	म	मप ध्
पिव	चु	ड	लो	–	पह	रा	य	के-	सरि	या –	–
×						×					
धप	पम	म	मप	ग	सासा	सा	सा	सा	सा	सा	सा
ला-	ल-	चू	डो	–	पह	रा	–	–	–	–	य
×						×					

प पनी नी	नीनी सा सासा	नीध सानी धप	प प ऽ
ल्या य- उ	तार च्या नग	चौ - - क-	मे जी
×		×	
सा साप प	पप ध प	मप ग ग	गम प धप म
गा ह- क	फिर फि र	जा- य के	सरि या- -
×		×	
मप म म	मप ग सासा	सा सा पम	मम म मप ध
पिव चु ड	लो- - पह	रा य के-	सरि या - -
×		×	
धप पम म	मप ग सासा	सा सा सा	सा सा सा
ला- ल- चू	डो- - पह	रा – –	– – य
×		×	

सूठ

जी वो आरै, जी वो आरै गावा रै गोर मे जी
जी वो आया आया सठवा रा कोट
जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो ए कुण, जी वो ए कुण सठवा रा गाहकी जी
जी वो ए कुण खरचैला दाम
जच्चा नै नखराळी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो सुसराजी, जी वो सुसराजी सठवा रा गाहकी जी
जी वो जेठजी खरचैला दाम
जच्चा ने वडगोतण नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो विच मे, जी वो विच मे स्यू पनामारु ले आया जी
म्हारी प्यारी धण जायो है पूत
जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भाव सूठ का जी

जी वो घी तो, जी वो घी तो सुरभी को मगाइयो जी
जी वो जालापुर की खाड
जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो रतन, जी वो रतन कढाई बणाइया जी
जी वो लाडू म्हारा बैठ सधाय
जच्चा नै नखराळी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो नाय, जी वो नाय भरोसो थारी माय को जी
जी वो लाडू म्हारा गिण गिण घाल
जच्चा नै वडगोतण नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो रतन, जी वो रतन कचोळै लाडू फाडियो जी

जी वो लाडू म्हारा हुया छै सवाद
जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो ऊबो, जी वो ऊबो म्हारो देवरियो यू कवै जी
भाभी लाड्डा री कोर चखाय
जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी

देवर फोडू, देवर फोडू तो दूबँ म्हारी आगळी जी
जी वो सारो म्हा स्यू दियो ए न जाय
जच्चा नै नखराळी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो ऊबा, जी वो ऊबा म्हारा बाईमा यू कवै जी
भाभी दोय लाडू सीख का जी काढ
जच्चा नै वडगोतण न लाडू भाव सूठ का जी

भाभी दोय, भाभी दोय देवी नै दोय देवता जी
भाभी च्यार लाडू पितरा का काढ
जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भावै सूठ का जी

सूठ

चार मात्राओं की द्रुतलय

| ऽ ऽ प म

| - - जी वो

गम गम म ऽ | म ऽ नी प | सा ऽ नी प | पनी ऽ पम ऽ

आ - रै - | - - जी वो | आ - रै गा | वा - रै -

× | | × |

पनी ऽ नी सानी | प ऽ मप ऽनी | पम ग म ऽ | सा सानी नीरे रे

गो - र - | - - मे - | - - जी - | जी वो- आ- या

× | | × |

सा सा नीप प | सा मा नी प | सा ऽ नी प | ग ग म ऽ

आ या स- ठ | वा रा को - | - - ट - | ज च्चा नै -

× | | × |

नी प सा ऽ | नी प पनी नीसानी | पम म पनी ऽ | नी सानी प ऽ

अ रा वे - | ली नै ला- डू - | भा- वै सू - | ठ - - -

× | | × |

मप ऽनी पम ग | म ऽ

का - - - | जी -

× |

केसर

पहलो मास होलरियो जी भवरजी
म्हार आळ भोळ मन रळियो म्हारा राज
दूजो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो थूकतडे मन रळियो म्हारा राज
ओ जी मिरगानैणी रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज

केसर महगी ए मारूणी
हाडोती हळदी पीओ म्हारा राज
हळदी रग पतगी जी भवरजी
म्हे केसर स्यू रग छाटा म्हारा राज

इगणो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो राब दहिया मन रळियो म्हारा राज
चौथो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो खीर खाड मन रळियो म्हारा राज
म्हारो खीर खाड मन रळियो म्हारा राज
ओ जी चन्दराबदनी रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
केसर महगी ए मारूणी
हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
केसर को काई महगो जी भवरजी
कोई थाको जिवडो काठो म्हारा राज

पाचवो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो लापसड्या मन रळियो म्हारा राज

आ तो साध भली छै ए मारूणी
सासूजी रळी ए पुरावै म्हारा राज
सासूजी म्हारा चतर सुजान
पचधारी ल्याय जिमावै म्हारा राज

छठो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो नीवूडै मन रळियो म्हारा राज
आ तो साध भली छै ए मारूणी
देवरियो रळी ए पुरावै म्हारा राज
देवरियो म्हारो चतर सुजान
नखचोल्या ल्याय चुसावै म्हारा राज
ओ जी ऊजळदती रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
केसर महगी ए मारूणी
हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
महगी, सगी ल्यादचो जी भवरजी
म्हानै पडदा मे पकडाओ म्हारा राज

सातवो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो लाडूडै मन रळियो म्हारा राज
आठवो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो घेवरिये मन रळियो म्हारा राज
आ तो साध भली छै ए मारूणी
माऊजी रळी ए पुरावै म्हारा राज
माऊजी म्हारा चतर सुजान
कोई छाबा भर पहुचावै म्हारा राज
मारूजी म्हारा चतर सुजान
म्हानै सागै बैठ जिमावै म्हारा राज
ओ जी पीयरपूरी रा भवरजी

म्हानै भीणी केसर पाओ म्हारा राज
केसर महगी ए मारूणी
हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
केसर को काई महगो जी भवर जी
कोई थाको जिवडो काठो म्हारा राज
हळदी रग पतगी जी भवरजी
म्हे केसर स्यू रग छाटा म्हारा राज

नौ दस मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो ओवरड मन रळियो म्हारा राज
आ तो साध भली छै ए मारूणी
वेमाता रळी ए पुरावै म्हारा राज
वेमाता म्हारी चतर सुजान
धीनड रो सबद सुणावै म्हारा राज
ओ जी मिरगानणी रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
महगी सैंगी ल्याया ए मारूणी
थान पडदा मे पकडावा म्हारा राज
हळदी को काई पीवो ए मारूणी
थे केसर स्यू रग छाटो म्हारा राज

केसर

ताल कहरवा (मात्रा 8)

रे म म रे	म प प म	म प प म	म रे प म
प ह लो ऽ	मा ऽ स हु	ल रि यो ऽ	जी ऽ भ ऽ
×	०	×	०
रे सा नि सा	सा — म म	म पम रे म	म प प म
व ऽ ऽ र	जी ऽ म्हा रो	आ ऽऽ ळ भो	ऽ ळ म न
×	०	×	०
म प प –	रेम पम रे –	रे – म रे	नि सा सा –
रा ळि यो ऽ	म्हाऽ ऽऽ रा ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ज ऽ
×	०	×	०

घूघरी

सूती धण सुख भर नींद
सुपनै मे बाटी घूघरी जी म्हारा राज
गेहू चणा की घूघरड़ी रंधाय
चणै का ऊपर टोटला जी म्हारा राज
हरिये बास को छाबडलो मगाय
दरियाई ऊपर न्यातणो जी म्हारा राज
नाईकै नै वेग बुलाय
म्हारी नगर बँटाश्रो घूघरी जी म्हारा राज
श्रावो नाईका बैठो म्हारै पास
म्हारी इस विध बाटो घूघरी जी म्हारा राज
बाटो नाईका उरलै परलै बास
मत दीजो नणद घर घूघरी जी म्हारा राज
बाटी नाईको उरलै परलै बास
बाईजी कै श्रोज्यो चोलियो जी म्हारा राज
श्रावो नाईका बठो म्हारै पास
म्हारी किस विध बाटी घूघरी जी म्हारा राज
बाटी जजमान उरलै परलै बास
बाया कै श्रोज्यो चोलियो जी म्हारा राज
ये जी नाईका असल गिंवार
म्हारी बाट न जाणी घूघरी जी म्हारा राज
सूती धण खूटी जी ताण,
होलर नै गोदी नही लियो जी म्हारा राज
बाहर से श्राया गोरी का पीव
म्हारी जच्चा बिलखी क्यू पडी जी म्हारा राज

थारो नाईको असल गंवार
म्हारी बांट न जाणी घूघरी जी म्हारा राज
ऊठो ए सायधण दातण फाड
थारी पाछी ल्यावा घूघरी जो म्हारा राज
पांच पियादा दस असवार
बाई घर बीरो पावणो जी म्हारा राज
कातै थी बाई लाम्बा-लाम्बा तार
कोई बटली-बटली कूकडी जी म्हारा राज
छोरा छोरी चढो ए पहाड
थारा मामा को दळ ऊमगियो जी म्हारा राज
आवो बीरा बैठो म्हारै पास
थारो आवण क्यू हुयो, जी म्हारा राज
थारी भावज ओछा घर की धीय
थारी पाछी मागै घूघरी जी म्हारा राज
बीरा रे म्हारा हळवा हळवा बोल
म्हारी दयोर-जिठाण्या सै सुणै जी म्हारा राज
दोनो बीरा भाणजडा नै बाट
ऊबरतो को फाको म्हे लियो जी म्हारा राज
बीरा रै तू आपणडै घर चाल
थारी पाछी ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
सोनै की घूघरली घडाय
रूप का ऊपर टोटला जी म्हारा राज
हरिये बांस को छाबडलो मगाय
दरियाई ऊपर न्यातणो जी म्हारा राज
दयोर-जिठाणी बेग बुलाय
थारो गाता ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
ढोलीकै नै बेग बुलाय

घूघरी

ताल कहरवा (मात्रा 8)

"स्थायी"

ग – ग रे	सा नि सा –	ग रे म म	प – प ध
सू ऽ ती ऽ	घ ऽ ण ऽ	सु ऽ ख ऽ	भ ऽ र ऽ
×	O	×	O
म – ग म	ग – सा नि	सा – रेग म	ग सा रे –
नी ऽ ऽ ऽ	न्द ऽ सु प	ना ऽ मेऽ ऽ	बा ऽ टी ऽ
×	O	×	O
रे ग रे –	रे – म –	ग रे ग –	– सा – नि
घू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ घ ऽ	री ऽ जी ऽ	ऽ म्हा ऽ रा
×	O	×	O
सा – – –	सा – – –		
रा ऽ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ऽ		
×	O		

"अन्तरा"

रे – म म	प – प –	प – प ध	म – म ग
गे ऽ हू च	ना ऽ की ऽ	घू ऽ घ र	डी ऽ र ऽ
×	O	×	O

वाजै सै ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
बीरो म्हारो दौड पिछोकड जाय
भावजडी घर मे घुस गई जी म्हारा राज
नीसर भावज बाहर आव
थारी पाछी ल्याया घूघरी जी म्हारा राज
लीनो भावज पल्लो ए पसार
कोई गज को काढ्यो घूघटो जी म्हारा राज
बीरो म्हारो दिल दरियाव
भावजडी मन की गायठी जी म्हारा राज
जे म्हे होता निरधनिया घर नार
थारी किस विध ल्याता घूघरी जी म्हारा राज
थारो भाभी दो कोडी को नाज
म्हारा रुपिया लाग्या डेढ सौ जी म्हारा राज
म्हे छा भाभी सापुरसा घर नार
थारी गावत ल्याया घूघरी जी म्हारा राज

घूघरो

ताल कहरवा (मात्रा 8)

"स्थायी"

ग – ग रे	सा नि सा –	ग रे म म	प – प ध
सू ऽ ती ऽ	ध ऽ ण ऽ	सु ऽ ख ऽ	भ ऽ र ऽ
×	0	×	0
म – ग म	ग – सा नि	मा – रेग म	ग सा रे –
नी ऽ ऽ ऽ	न्द ऽ सु प	ना ऽ मेऽ ऽ	बा ऽ टी ऽ
×	0	×	0
रे ग रे –	रे – म –	ग रे ग –	– सा – नि
घू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ घ ऽ	री ऽ जी ऽ	ऽ म्हा ऽ रा
×	0	×	0
सा – – –	सा – – –		
रा ऽ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ऽ		
×	0		

"अन्तरा"

रे – म म	प – प –	प – प ध	म – म ग
गे ऽ हू च	ना ऽ की ऽ	घू ऽ घ र	डी ऽ र ऽ
×	0	×	0

रे	ग	ग	म	ग	–	सा	–	सा	–	रेग	म	ग	सा	रे	–
धा	ऽ	ऽ	ऽ	य	ऽ	च	ऽ	णा	ऽ	काऽ	ऽ	ऊ	ऽ	प	र
×				O				×				O			
रे	ग	रे	–	–	–	म	–	ग	रे	ग	–	–	सा	–	नि
टो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट	ऽ	ला	ऽ	जी	ऽ	ऽ	म्हा	ऽ	रा

सा	–	–	–	सा	–	–	–
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ऽ
×				O			

भूरी भैंस

छाया री पडछाई ओ नणद बाई
नणद भौजाया बाता लागी रे, म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
जे म्हारै जनमलो पूत नणद बाई
देस्या देस्या भूरी भैंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
नौ दस मास प्यारी धण नै लाग्या
होलर शबद सुणाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
पूत हुयो पालगडै पौढी
नणदल बोली आय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
थे म्हारी भावज कौल करया हा
थारा बोल्या वचन सभाळ, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
हसती घुडला लेओ म्हारी नणदल
नही देवा भूरी भैंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
हसती घुडला म्हारै घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भैंस, जी म्हारा पिव ऑफिस में जाय
डाबा मायला गहणा ल्यो नणद बाई
नही देवा भूरी भस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
गहणा तो गाठा म्हारै घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
बुगचा मायला कपडा ल्यो नणद बाई
नही देवा भूरी भस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
पीळा पोमचा घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भैंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
टीब ऊपर टीबडी भवरजी
नणद बाई रूस्या जाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय

लारै लार वारा बीराजी दौड्या
म्हारी बहुनड पाछी ग्राय, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
देख्या बाई थानै भैस भूरडी
हसो घुमो घर जाय, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
ग्रागण खूटो केर को भवरजी
बाधू रेसम डोर, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
ढीलो सो बाधू नणद बाई रो वीरो
कसू म्हारा बाईसा रा हाथ, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
देखो ए म्हारी पास पडोसण
भैण भाई झोटा खाय, जी म्हारा पिव ग्राफिस मे जाय
ग्राधी रात पहर कै तडकै
नणद बाई गया छुटाय, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
पोढ बैठ्या सासूजी बोल्या
काई ल्याया म्हानै भी बताय, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय
थानै सासूजी म्हारा देवो लेवो सूझै
ग्राई म्हारो जीव छुडाय, जी म्हारा पिव ग्रॉफिस मे जाय

भूरी भस

सात मात्राओं की मध्यलय

नी	सा	ऽ	ग	ऽ	ग	ग	म	म	ऽ	म	ऽ	ऽ	प
छा	वा	–	री	–	प	ड	छा	ई	–	ओ	-	-	न
×													
ग	म	ऽ	ध्	ऽ	ध	ऽ	ध	ध्	प	ग	ऽ	म	ऽ
ण	द	–	बा	–	ई	–	न	ण	–	द	-	भो	-
×													
मप	प	ऽ	म	ऽ	म	पम	ग	ग	ऽ	ग	ऽ	ग	ऽ
जा-	या	–	बा	–	ता	–	ला	–	–	–	-	–	गी
×													
ग	म	ऽ	ध्	ऽ	ध्	ऽ	ध्	ध्	प	ग	ऽ	म	ऽ
जी	–	–	म्हा	-	रा	–	पि	व	–	आँ	-	–	-
×													
ध्	ध्	ऽ	ग	ऽ	रेग	ऽ	म	म	ऽ	म	ऽ	म	ऽ
फि	स	–	मे	–	—	–	जा	–	–	–	-	–	स
×													

ग म ऽ | ध ऽ नी ऽ | सा सां ऽ | सा ऽ सा ऽ

जे – – | म्हा - रै – | ज न ऽ | मै - लो -

×

ध नी ऽ | ध नी धनीरेंसा सा | ध् ध् प | म ऽ म ऽ

पू – ऽ | त - — न | ण द – | वा - ई -

ध् ध् ऽ | ध् ऽ ध् ऽ | ध् ऽ ऽ | म ऽ मप ऽ

दे स्या - | दे - स्या - | भू - - | री - - -

×

मग ऽ ऽ | ग ऽ ग ऽ | ग ग ऽ | ग ऽ ग ऽ

मैं - - | - - - - | - — - | - - - स

×

ग म ऽ | ध् ऽ ध् ऽ | ध ध प | ग ऽ म ऽ

जी - - | म्हा - रा - | पि व - | आँ - - -

×

ध् ध् प | ग ऽ रेग ऽ | म म ऽ | म ऽ म ऽ

फि स - | मे - - - | जा - - | - - - य

×

नोसर हार

दूरा देसा स्यू म्हारा बाईसा आया, ल्याया हालरिया रा गीत
ए भोजाई म्हारी वीरोसा रै कवर हुयो
हसत्या तो मायला सरस हसती, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणदबाई, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू ए थारा सरस हसती, लेस्या गळा रो नोसर हार
ए भोजाई म्हारी वीरोसा रै कवर हुयो
बुगचा मायला सरस कपडा, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणदबाई ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू ए थारा सरस कपडा, लेस्या गळा रो नोसर हार
ए भोजाई म्हारी, बीरोसा रै कवर हुयो
गणा नो मायला सरम गहणा, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणद बाई ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू थारा सरस गहणा, लेस्या गळा रो नोमर हार
ए भोजाई म्हारी लेस्या गळा रो नोसर हार
ओ ल्यो बाईसा म्हारा हार गळा को, फेर मत आज्यो म्हारै बार
जी बाईसा म्हारा, फेर मत आज्यो म्हारै बार
आस्या जी आस्या म्हारै वीर बडा कै, थारै पीयर को काई जाय
ए भोजाई म्हारी थारै पीयर को काई जाय

नौसर हार

ताल रूपक (मात्रा 7)

सा - रेग	ग रे	सा सानि	सा सा र	रे र	सा नि
दू ऽ रऽ	दे ऽ	सा स्यूऽ	म्हा ग ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
○	2	3	○	2	3

नि सा सा	स -	रेग -	रे रे ग	सा ग	रे रे
वा ई सा	आ ऽ	याऽ ऽ	ल्या ऽ या	ऽ हा	ल रि
○	2	3	○	2	3

सा – नि	सा –	सा –	ग रे नि	प नि	सा –
या ऽ रा	गी ऽ	त ऽ	ए ऽ भो	ऽ जा	ई ऽ
○	2	3	○	2	3

सा रेग –	रेग गरे	सा ग	ग – रे	सा –	नि सा
म्हा रीऽ ऽ	बीरो साऽ	रे ऽ	कँ ऽ व	र ऽ	हु यो
×	2	3	×	2	3

कगना

हीरे जडाऊदार कगना, कगना नाहीं दू गी
छोटी ननदिया हठीली, कगने पै मचल गई
ये कगना मेरे बाबुल ने भेजा
मैके से आया मेरा कगना, कगना नाही दू गी
आगन मे ठाडे ससुर समझावे
दे दो बहूरानी कगना, कगना नाही दू गी
ये कगना मेरे बाबा ने भेजा
नहर से आया मेरा कगना, कगना नाही दू गी
आगन मे ठाडे जेठ समझावे
दे दो बहूरानी कगना, कगना नाहीं दू गी
ये कगना मेरे भैया ने भेजा
मके से आया मेरा कगना, कगना नाही दूगी
आगन मे ठाडे देवर समझावे
दे दो भाभो रानी कगना, कंगना नाही दू गी
आगन मे ठाडे सैया समझावे
दे दो मेरी रानी कगना, नया कगना मैं दू गा
मेरी ननदिया हठीली, कगना तोहे दू गी
सैया से लूगी नया कगना, ये कगना तोहे दू गी
हीरे जडाऊदार कगना, कगना तोहे दू गी

फगना ताल-दादरा (मात्रा 6)

स्थायी

पसा सा गा सासा	निसा रेरे सानि	- - रेरे मग	ग ग,सा निसा,निरेसा,-
हीऽ, रे ऽज ढाऊ	दार रग नाऽ	ऽऽ फग नाऽ	नाऽ,ही दूऽ, ऽ ऽगी, -
×	○	×	○
पमा सा सा- सामा	निसा रेरे सानि	- - रेर मग	रे ग,सा निसा,नि रेसा,
छोऽ टी नऽ न दि	याह ठीऽ लीऽ	ऽऽ फग नाऽ	पेऽ, म चऽ, ऽ लग, ई
×	○	×	○

अन्तरा

सा- ग- म	प- प- प	म ग मप	ग रे सा
येऽ कग ना	मेऽ रेऽ बा	बु ल नऽ	भे ऽ जा
×	○	×	○
पसा - सा सासा	निसा रेरे सानि	- - रेरे मग	रे ग,सा निसा,नि रेसा,-
मैऽ, के ऽसे आया	मेरा कग नाऽ	ऽऽ फग नाऽ	नाऽ,ही दूऽ, ऽ ऽगी, ऽ
×	○	×	○

पालणो

घाती को बनखड नीमरचो, हुसै हालरो जी
कोई मोळचो चदणिया रो रूख, कवर थारो पालणो जी
थारै रे गीगा पालण, हुसे हालरो जी
कोई लाग्या है भीत बिनाण, कवर थारो पालणो जी
सोनो तो लाग्यो सोटको- हुसे हालरो जी
कोई रूपो ऊजळदत, कवर थारो पालणो जी
मोती तो लाग्या बाटला, हुसे हालरो जी
कोई लाल लगी लख च्यार, कवर थारो पालणो जी
उडती तो लागी चिडकली, हुसे हालरो जी
कोई गढ परवत रा मोर, कवर थारो पालणो जी
सिर धर खातण नीसरी, हुसे हालरो जी
कोई शहर जोधाणै रे माय, कवर थारो पालणो जी
पूत सपूती आगळी, हुसै हालरो जी
बहू गोरा दे, लियो है मुलाय, कवर थारो पालणो जी
ल्याय घलायो साळ मे, हुसै हालरो जी
कोई साळ पवासा लेय कवर थारो पालणो जी
थारे रे गीगा पालणै, हुसै हालरो जी
कोई चार जणी रखवाळ, कवर थारो पालणो जी
दादी रे भूवा मावसी, हुसै हालरो जी
कोई और सहोदरा भैण, कवर थारो पालणो जी
दादाजी झोटा दे गया, हुसै हालरो जी
थान काठलडो पहराय कवर थारो पालणो जी
बावाजी झोटा दे गया, हुसै हालरो जी
थारी रुपिया स्यू मूठ भराय, कवर थारो पालणो जी

बडियाजी झोटा दे गया, हसे हालरो जी
थानै झाझरिया पहराय, कवर थारो पालणो जी
काकाजी झोटा दे गया, हसै हालरो जी
म्हारै होलर रा कर रह्या चाव, कवर थारो पालणो जी
काकीजी झोटा दे गया, हसै हालरो जी
थानै घुघट मे घुरकाय, कवर थारो पालणो जी
भूवाजी झोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
बाकै कुडता टोपी हाथ, कवर थारो पालणो जी
नानाजी झोटा दे गया, हसै हालरो जी
वै तो वैठ वळद कै सीग, कवर थारो पालणो जी
नानाजी झोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
वै तो पैर कामळ को बेस, कवर थारो पालणो जी
बाबूजी झोटा दे गया, हसै हालरो जी
ब तो छानै सी हुलराय, कवर थारो पालणो जी
माऊजी झोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
कोई पैहर पीळा रो बेस, कवर थारो पालणो जी

पालणो

चार मात्राओ की द्रुतलय

			ऽ ऽ प नी़
			- - खा ती
			×
सा ऽ ररे सासा	नी़सा सानी़ प ऽ	सानी़ नी़प पनी़ पनी़	ग म ऽ म
को - व न खड	नी- स-र्यो -	हं- सं- हा- -	ल रो - जी
×	×	×	×
ऽ ऽ ग म	प प प नी़प	सा सा नी़सानी़ प	ऽप नी़प पसा सानी़
- - को ई	मोळ्यो च दरिण	या रो रु - ख	-क वर या- रो-
×	×	×	×
पनी़ पनी़ ग म	ऽ म ऽ ऽ	ऽ ऽ प नी़	सा सारें रें सा
पा - ल णो	- जी - -	- - था रै	रे - गी गा
×	×	×	×
नी़सा सानी नी़प प	सानी़ नी़प पनी पनी	ग म ऽ म	ऽ ऽ ग म
पा- - ल- णे	हैं - सं - हा -	ल रो - जी	- - को ई
×	×	×	×

प प प नीप | पसा सानी नीसानी प | ऽप नीप पसा सानी | पनी पनी

ला ग्या है भो- | त- बि ना ए | क वर था रो | पा- - ल

× | × | × | ×

ऽ म ऽ ऽ | ऽ ऽ

- जी - - | - -

×

पालणो

अदन वदन को रे गीगा थारो पालणो जी, ओ राज
खाती को घड्यो रे सुजान,
सूरज री किरण्या रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा ऊंचै डूंगरा जी, ओ राज
हिरण्या करै रे किलोल
ई नखराळी रो गीगो झूलै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा सरवर पाळ पर जी, ओ राज
सारसडा करै रे किलोल
चाद पवास्यो रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलाद्यू रे गीगा हरिया बाग मे जी, ओ राज
सूवटडा करै रे किलोल
किरत्या झुक आई रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा सामी साळ मे जी, ओ राज
दादीजी झोटा देय
लोरी सुणाव रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलाद्यू रे गीगा रग भर महल मे जी, ओ राज
बाबूजी झोटा देय
हू चन्दरावदनी रो गीगो झूले पालणै जी, ओ राज

पालणो

सात मात्राओं की मध्यलय

प प ऽ | म रे प म | रे नी ऽ | सा ऽ सा ऽ
अ द – | न – – ब | द न – | को – रे ऽ
×

म रे ऽ | म ऽ प म | म प प | म रे प म
गी गा – | था – रो – | पा – ल | णो – – –
×

रे रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | नी ऽ रे ऽ
जी – – | – – – – | – – – | ओ – – –
×

सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ
रा – – | – – – – | – – – | – – – ज
×

पनी ऽ ऽ | नी ऽ नी सा | नी सा ऽ | नी ध नी ध
धा – – | सी – पी – | प इ्पो – | रे – – सु
×

नी प ऽ | प ऽ प ऽ | प प ऽ | प ऽ प ऽ
जा – – | – – – – | – – – | – – – न

म रे ऽ | प प म प | रे नी ऽ | सा ऽ सा ऽ
सू – – | र ज री – | कि र – | ण्या – रे –
×

म रे ऽ | म ऽ प म | म प प | म रे प म
गी गा – | था – रो – | पा – ल | णो – – –
×

रे रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | नी ऽ रे ऽ
जी – – | – – – – | – – – | ओ – – –

सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ
रा – – | – – – – | — — – | — – — ज
×

पालणा

ऊ चो घालू पालणो जळ जमना के तीर
झोटा देसी सायवो म्हारी लाल नणद को वीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल
रात का सुख देवा गीगा घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा छिन एक सोज्या रे।

पाडोसण तू पातळी, म्हारी घडी एक गीगो राख
लाडू देस्यू सापतो, तनै स जळवा री रात,
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे।

चावळ मूगा की खीचडी, घी घालू सर जीत
मैं म्हारो गीगा जीमस्या, कोई ऊबा तरसै पीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल
थारी रे बलिहारी गीगा, घडी एक सोज्या रे
रात का सुख देवा गीगा, छिन एक सोज्या रे।

पतळा पतळा फलका पोया, गुदळी राधू खीर
न्यूत जिमाऊ सायवा, म्हारी लाल नणद का वीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे।

महला स्यू धण उतरी सोना को ककण हाथ
चत्तर चरू ठघो ले गयो, च-दरावळ मसळै हाथ
गीगा सोज्या म्हारा लाल,

रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

इनै सूतो हालरियो, इनै सूता पीव
कठी कठी नै होऊ रे गीगा, दोन्या कानी जीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे
रात का सुख देवा गीगा, पल एक सोज्या रे ।

आडै लाग्यो हालरियो, हठ लाग्या पीव
दोन्या नै विचाळै, म्हारो नाजुकडो सो जीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

दूध देस्या हालरियो, बाता विलमास्या पीव
दोन्या नै राजी राखस्या, म्हारी लाल नणद को वीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे
रात का सुखदेवा गीगा, घडी एक सोज्या रे ।

जाऊली बाजार में, ल्यावूली एक चीज
देऊली म्हारा हालरिया नै, सोवलो नचींत
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुखदेवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

पालणो

ऊँचो घालू पालणो

लय चार मात्राओ की द्रुतलय

रे रेग् रेसा सारे	नीसा ऽसा ऩीप प	पसा सानी सारे रे	रे ऽग् रेसानीसा ऽ
ऊँ चो- घा- लू-	पा - - ल णो - -	जळ जम ना - रै	ती — — र
×	×	×	×
मरे रे रेम म	मग रेग रेसा सासा	रे रेग् रेसा सारे	नीसा ऽसा सा ऽ
झो टा दे सी	मा- -य वो- म्हारी	ला लन णद रो-	बी - — — र
×	×	×	×
मरे रे रेम म	मग रेग् रेसा सासा	र रेग् रेसा सारे	नीसा ऽसा ऩीप प
झो- टा दे सी	सा- य बो- म्हारी	ला लन णद रो-	बी - -र गी - गा
×	×	×	×
पसा सानी सारे रे	र ऽग् रेसानीसा ऽ	मरे ऽरे रेम मम	मग रेग् रेसा सा
सो- जा- म्हा- रा	ला - — ल	रा- -त का- सुख	दे- वा - गी - गा
×	×	×	×
रेरे रेग् रेमा सारे	नीसा ऽ ऽ ऽ	मरे रे रेम मम	मग रेग् रेसा सा
घडी एक सा- जा-	र - - - -	था- री रे बलि	हा- री- गी - गा
×	×	×	×
रेरे रेग् रेसा सारे	नीसा ऽ ऽ ऽ		
घडी एक सो- जा-	रे - - - -		

पालणा

गीगा थारो पालणो घलाद्यू सरवर पाळ रे
पाखडल्या पसार सारस थास्यू करै किलोला रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोनै रा मादळिया,
थारै रूपै रा झाझरिया
थारै हाथ मे चकरी डोर लाडला आगण नाचै मोर।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू हरिया बाग रे
मीठी गावै कोयली, सुवटिया करै किलोला रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोने रा मादळिया, थारै रूपै रा झाझरिया
थारै हाथ मे रेशम डोर लाडला आगण नाचै मोर।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू रग री पोळ रे
आवतडा सा जावतडा दादाजी झोटा देसी रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोनै रा मादळिया, थारै रूपै रा झाझरिया
थारे हाथ मे चकरी डोर लाडला आगण नाचै मोर।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू सामी साळ रे
लाड लडासी दादाजी, भूवाजी गीत सुगासी र
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोनै रा मादळिया, थारै रूपै रा झाझरिया
थारै हाथ मे रेसम डोर लाडला आगण नाचै मोर।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू रग भर महल मे
झुनझुनिया बाजूजो ल्यासी, मायड वारी जासी रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोन रा मादळिया, थार रूप रा झाझरिया
थारै हाथ मे चकरी डोर लाडला, आगण नाच मोर ।

पालणो

गीगा थारो पालणो

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

ग ग रे गम ग	रेसा ऽसा साप परे	रे रे रेरे रेग	सारे ऽग ग मग रेसारे
गी गा था रो -	पा- - ल णा- घ-	ला द्यू सर वर	पा- -ल रे - - -
×	×	×	×
ग गग रे गम ग	रेसा ऽसा साप पप	परे रे रेरे ऽग	सारे रेग ग मग रेसारे
पा खड ल्या प -	सा- - र सा- रस	था- क्यू करे -कि	लो - ला - रे - - -
×	×	×	×
गग ग रे गम ग	सासा सा ऽ ग	रे गग रे गम ग	रेसा सा ऽ गग
हुल रे ना न्हा	हुल रे - तू	दू धप ता सा -	पी - रे - थारै
×	×	×	×
रे ग रे गम ग	रेसा सा ऽ गग	रे ग रे गम ग	रेसा सा ऽ मम
सो न रा मा -	दळि या - थारै	रू पै रा भा -	झरि या - थारै
×	×	×	×
म मम मम मप	ग गरे ऽसा सारे	रेग गग रेगमग रेसा	सा ऽ ऽ सा
हा थमे चक री-	डो रला - ड ला -	आ गण ना - चै -	मो - - र
×	×	×	×

चन्दो

म्हारो हठ लियो बाळगोवि‍न्दो
खेलण नै मागै चन्दो

लाडू भी ले ले लाला, पडा भी ले ले
घेवर स्यू भुळावू भोळो मनडो जी
म्हारो रुस्यो, म्हारो रूस्योडो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

लट्टू भी ले ले लाला, फिरकी भी ले ले
चकरी स्यू भुळावू भोळो मनडो जी
म्हारो हठ लियो, म्हारो हठ लियो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

मेवा भी ले ले लाला, मिश्री भी ले ले
दाखा स्यू भुळावू भोळो मनडो जी
म्हारो रूस्यो, म्हारो रूस्योडो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

गीत सुणाऊ लाला, लोरी सुणाऊ
चुटकी स्यू भुळाऊ भोळो मनडो जी
म्हारो हठ लियो, म्हारो हठ लियो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

थाळ भरयो मैं तो पाणी को ल्याऊ
पाणी मे दिखाऊ चन्दो जी
म्हारो हरख्यो, म्हारो हरख्यो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

चन्दो

म्हारो हठ लियो बाळ गोविंदो

लय छे मात्राओं की मध्यलय

स्थायी

ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	सा	गुगु	ग्	ग्	रे	गुरे	गुरे
-	-	-	-	म्हा	रो	हठ	लि	यो	वा	ळ-	-गो
×						×					
सा	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	मम	म	ग	रे	ग	सा
विं	दो	-	-	-	खे	ळण	नै	–	मा	गै	—
×						×					
सा	सा	रे	नी़	ध	नी़	गुगु	ग्	ग्	रे	गुरे	गुरे
च	न्दो	–	जी	म्हा	रो	हठ	लि	यो	वा	ळ -	-गो
×						×					
सा	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म	मम	म	ग	रे	ग	सा
विं	दो	-	-	-	खे	ळण	नै	–	मा	गै	—
×						×					
सा	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						
च -	न्दो	-	-	-	-						
×											

अन्तरा

सा साप प	पप ध् प	म पध् मप	ग् सा ऽ
ला डू- भी	लेले ला ला	पे डा- भी-	ले ले -
×		×	
सा साप प	पप नी ध	म पध् मप	ग् सा साग
ला डू- भी	लेले ला ला	पे डा- भी-	ले ले घे-
×		×	
गग ग ऽग	गग मग पम	गग् रे ऽ	ग् रे मग्
वर स्यु -भु	ळावु भो- ळो-	मन डो -	जी म्हा रो-
×		×	
रेसा सा ऽ	ऽ ऽ साग	गग ग ऽग	गग गम धप
रू- स्यो -	- - घे-	वर स्यू -भु	ळावू भो ळो
गग् रे ऽ	ग् रे मग्	रेसा सा ऽ	ऽ नी सा
मन डो -	जी म्हा रो-	रू- स्यो -	- म्हा रो
×		×	
ग ग ग्	रे गरे गुरे	सा रे ऽ	ऽ ऽ म
रू स्यो डो	वा ळ- -गो	वि दो -	- - हे
×		×	

मम	म	ग	रे	ग	सा	सा	सा	रे	नी॒	ध	नी॒
ळए	नै	–	मा	गै	—	च	न्दो	–	जी	म्हा	रो
×						×					
गग॒	ग॒	ग॒	रे	ग॒रे	ग॒रे	सा	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म
हुठ	लि	यो	बा	ळ-	-गो	विं	दो	-	-	-	खे
×						×					
मम	म	ग	रे	ग	सा	सा	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ळए	नै	–	मा	गै	—	च	न्दो	-	-	-	-

झुनझुना

पाच मोहर को झुनझुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा दादाजी खरीदै झुनझुनो
दादीजी खिलावै नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
आधी का बाजे झुनझुनो
परभाती सोव नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा दादाजी न प्यारो काम है
दादीजी पियारो नन्दलाल र, झुनझुनो बाजणो।

पाच मोहर को झुनझुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा ताऊजी खरीद झुनझुनो
ताईजी खिलाव नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
आधी का बाजै झुनझुनो
परभाती सोवै नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा ताऊजी नै प्यारो काम है
ताईजी पियारो नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।

पाच मोहर को झुनझुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा फूफाजी खरीदै झुनझुनो
भूवाजी खिलावै नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
आधी का बाज झुनझुनो
परभाती सोवै न दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।
थारा फूफाजी न प्यारो काम है
भूवाजी पियारो नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो।

पाच मोहर को झुनझुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, झुनझुनो बाजणो ।
थारा बापूजी खरीदे झुनझुनो
थारी माय खिलावै नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो ।
आधी का बाजै झुनझुनो
परभाती सोवै नन्दलाल रे, झुनझुनो बाजणो ।
थारा बापूजी नै प्यारो काम है
आम्मा नै पियारो नन्दलाल रे झुनझुनो बाजणो ।

— — —

इसी तरह नानाजी, नानीजी, मामाजी, मामीजी, मौसाजी, मासीजी, काकाजी, काकीजी, जीजाजी, जीजी का नाम लेते है ।

झुनझुना

पाच मोहर को झुनझुनो

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

नी प प प	नी सा रेग् रेग्	रेसा सा सा नी	सा ऽ नी सा
पा - च मो	ह र को - -	- झु न् झु	नो - प -
×	×	×	×
रे ऽ रे म	ग् रे रेग् रेग्	सा रे सानी नी	नी सा रे ग्रे
चौ - स मो	ह र की - -	डा डी रे - झु	न् झु नो -
×	×	×	×
सानी नी सानी ध	प ऽ प प	पग ग म प	प म मप मप
ऽ बा ऽ ज	णो - था रा	दा- दा जी ख	री - द - -
×	×	×	×
ग ग मग ऱे	सा ऽ ग म	प ऽ प नी	ध् प प प ध्
ऽ झु -न् झु	नो - दा -	दी - जी खि	ला व न्द
×	×	×	×
म ऽप मग ग	ग म प धप	मग ग मग ऱे	सा ऽ ऽ ऽ
ला ल रे झु	न् झु नो -	- बा - ज	णो - - -
×	×	×	×

ललना

सावरा आयो, मेह बरसायो, काई रे बावाजी बलमा
केसरिया सायब, थे हुलराओ ललना ।
लाल पडोसरा गहूला वावै मैं रे बाऊ ली जिवरा
अलबेला सायब, थे हुलराओ ललना ।
लाल पडोसरा गेहूला काटै, मैं रे काटूली जिवरा
नखराळा सायब थे हुलराओ ललना ।
लाल पडोसरा गेहूला जोमै, मैं रे जीमू ली जिवरा
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।
पाड्यो आयो, पतडो वाच्यो, काई रे जणूली बमरा
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।
लाल पडोसरा धीय जणेली, थे रे जरोला ललना
अलबेला सायब थे हुलराओ ललना ।
जे पाड्या म्हारै गीगो होवै खूब चुकास्यू दिखरा
नखराळा सायब थे हुलराओ ललना ।
लाल पडोसरा बेटी जाई, मैं रे जायो ललना
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।
बामरा आयो, पतडो वाच्यो, ल्या जुजमान दिखरा
मनभरिया सायब थे हुलराओ ललना ।
ओ गीगो मनै राम दियो, भगवान दियो, करतार दियो
भरतार दियो है, तू काई मागै बमरा
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।
जद म्हारो गीगो बडो हुवलो, बैठ्यो रहैलो, चलै गुडाल्या
पाव धरलो, करै पढाई, करू सगाई ब्याह रचाऊ
गीगो होसी, जद र चुकाऊ दिखरा
लस्करिया सायब थे हुलराओ ललना ।

टूटी सी एक थाळी ल्याश्रो, फूट्यो सो एक लोटचो ल्याश्रो
फाटचा सा दोय कपडा ल्याश्रो, वोदी सी एक बछिया ल्याश्रो
ले रे बामरण दिखरणा ।
केसरिया सायब थे हुलराश्रो ललना ।
श्राग श्रागे जच्चा डोलै, बिकै पाछै बच्चा डोल
बिकै लार राजन डोलै, बिकै पीछै बामरण बोल
ल्या जुजमान दिखरणा ।
केसरिया सायब थे हुलराश्रो ललना ।

ललना

सावण आयो मेह बरसायो

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

सा मानी सा रेग्	रेग् रेग् रेग् रे	सासा मानी सा रेग्	रेग् रेग् रेग् रे
सा वण आ यो	- - - -	मेह बर सा यो	- - - -
×		×	
ऽ रेप पम मरे	रेगा सा सा मरे	रे ऽ ऽ रेम	मरे रेसा सा नीनी
- काई रे- बा-	वा- जी व ल-	मा - - के	सरि या- सा यब
×		×	
ऽ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ऽ ऽ रेम	मरे रे सा नीनी
- थे- हु ल	रा ओ- ल ल	ना - - के-	सरि या सा यब
×		×	
ऽ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ऽ सा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
- थे हु ल	रा ओ- ल ल	ना - - -	- - - -
×		×	
सा सानी सा रेग्	रेग् रेग् रेग् रे	सासा सानी सा रेग	रेग रेग् रेग् रे
ला लप डो सन्	- - - -	गेंहू ला बा वै	- - - -
×		×	

ऽ रेप पम मरे	रेसा सा सा मरे	रे ऽ ऽ रेम	मरे रेसा सा नीनी
- मैं- रे- बा-	ऊ - जी जि व-	ण - - के-	सरि या- सा यब
×		×	

ऽ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ऽ ऽ रेम	मरे रेसा सा नीनी
- थे- हु ल	रा ओ ल ल	ना - - के-	सरि या मा यब
×		×	

ऽ पनी नी मा	रे मरे नी नी	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
- थे हु ल	रा ओ ल ल	ना - - -	- - -
×		×	

सा मानी सा रेरे	सा सानी सा रेरे	सा सानी सा सारे	सा सानी सा रेरे
ओ गी- गो मनै	रा मदि यो भग	वा नदि यो कर	ता रदि यो भर
×		×	

सा सानी सा रे	ऽ रेप पम म	रे रे सा मरे	रे ऽ ऽ रेम
ता रदि यो है	- तू- बा- ई	मा गे व म-	ना - - के
×		×	

मरे रेसा सा नीनी	ऽ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ऽ सा ऽ	ऽऽऽऽ
सरि या सा यब	- थे हु ल	रा ओ ल ल	ना - - -	- - - -
	×			

काठला

तनै रे गुणसायर गीगा काठला रो चाव,
काठला घडावै थारा दादाजी उमराव ।
दादाजी घडावै दादी पाट पुवाय,
काठला मे हीरा मोती एक हजार ।
एवड छेवड मोती मूगा, बिच बिच लाल,
काठला रै चाव गीगो, गोदी मे चढ जाय ।
तनै रे सायजादा गीगा भुनभुनिया रो चाव,
भुनभुनियो ले आसी थारा बाबाजी सिरदार ।
बाबाजी खिलावै, बडिया गोद उठाय,
भुनभुनिया रै भणकै, गीगो रोतो रह जाय ।
तनै रै मिठबोला गीगा पालणा रो चाव,
पालणो घडासी थारा बाबूजी उमराव ।
बाबूजी ले आसी मायड भोटा देसी आय,
पालणै मे झूलै गीगो नीदडल्या मे जाय ।
तनै रे चन्दा सा गीगा कडला रो चाव,
कडला ले आसी थारा नानाजी उमराव ।
नानाजी घडासी, नानी रतन जडाय,
सोनै रै कडूलै, गीगो खेलवा नै जाय ।
तनै रे मनभरिया गीगा कुरता रो चाव,
कुरतो सिमावै थारा भूवाजी उमराव ।
भूवासी ले आसी, फूफाजी निरखण आय,
कुरता रै चाव गीगो ठुमक ठुमक आय ।

काठला

तन रे गुण सायर गीगा

चार मात्राओं की द्रुतलय

ग ग रेग रेमा	सा सारे रे ध	सा ऽरे सारे ग	ग ऽ मगरेसा रे
त न रै- गुण	सा यर गा गा	का -ठ ला रो	चा - – व
×	×	×	×

ग ऽग रेग रेसा	सा सा ग ग	सारे रे ग मग रेमा	सा ऽ ऽ सा
का ठ लो- घ-	डा वे था रा	दा दा जी- उम	रा - - व
×	×	×	×

मादळ

जाओ राजन डूगरा, हरियाळा बास कटाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।
ल्याय घडाओ ढोलियो, गोरी नैं पूरा मास जी
मादळ रणक्यो जाय ।
ल्याय घडाओ पालणो, होलर राजा जायो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
थे तो जीमो सीरो, म्हानै भी चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।
गैला राजन बावळा, सीरो तो जच्चा जोगो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
थे तो जीमो अजमो, म्हानै भी चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।
गैला राजन बावळा, बाईजी फिर फिर जावै जी
मादळ रणक्यो जाय ।
थे तो जीमो लाडू, भोरो तो चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।
गैला राजन बावळा, सासूजी गिण गिण घाल्या जी
मादळ रणक्यो जाय ।
थे तो पूजो जळवा, हवोळो तो दिखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।
गैला राजन बावळा, हवोळो गणगोरचा जी
मादळ रणक्यो जाय ।
थे तो जायो गीगलो म्हानै भी दिखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

गैला राजन बावळा, म्हे दोरी पीडा जायो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
ये तो वठी महला, मुखडो तो दिखाम्रो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
गैला राजन बावळा, मोहरा स्यू मूठ भराम्रो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
पीळो ल्याज्यो केसरया, म्हार गहरी घडी ए तुलाज्यो जी
मादळ रणक्यो जाय ।
मातो ल्याज्या मोकळा, म्राज्यो स जळवा री रात जी
मादळ रणक्यो जाय ।

मादळ

जावो राजन डूगरा

सात मात्राओं की मध्यलय मे

ध ध सा	सा ऽ सा सा	सा रे ऽ	ग ऽ म म
जा वो –	रा - ज न	डु ग -	रा - ह रि
×		×	
ग रे ग	सा ऽ सा सा	सा रे ऽ	ग ऽ म ऽ
या ळा –	बा - स क	टा ओ -	जी - मा -
×		×	
ग सारे ऽ	ग रेग सा ऽ	सा सा ऽ	सा ऽ सारे गरे
द ळ -	र ण- क्यो -	जा – -	– - – य
×		×	

बधाई

बधाई मेरे ननदा भैया घर आई
रुपया मांगे ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो रुपैया मेरे ससुरजी कमाये
अठन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
बधाई मेरे ननदी भैया घर आई

ये तो अठन्नी मेरे राजा कमाये
चवन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपैया मांगे ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो चवन्नी देवर घर लाये
दुअन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो दुअन्नी भैया राखी का लाये
इकन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

एक इकन्नी के मैं झगुले टोपी लाऊ
दो पैसे ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

इन पैसो का ननदी भुनभुना लाऊ
भुनभुना लाके मेरे मुन्ने को बहलाऊ
मिठाई खाले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपया माग ननदी मुना की बधाई

ये तो मिठाई पडोस मे बटवाऊ
तू क्या क्या लाई ननदी मुना की बधाई

गहने मैं लाई भाभी मोहरें मैं लाई
टोपी कुरता मैं लाई, मुन्ने के लिए आई

मैं तो मेरी ननदी का यूं ही मन नेती थी
रुपैया तो पै वारू मुन्ने की बधाई

पीला तू ले ले ननदी, गहना तू ले ले
अशर्फी ले ले ननदी, मुन्ना की बधाई
बधाई लेने ननदी, भैया घर आई
रुपया मागे ननदी, मुन्ना की बधाई

बधाई

बधाई लेने ननदी भैया घर आई
रुपैया मागै ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो रुपया मेरे ससुरजी कमाये
अठन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
बधाई लेने ननदी भैया घर आई

ये तो अठन्नी मेरे राजन कमाये
चवन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपैया मागै ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो चवन्नी देवर घर लाये
दुअन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाइ

ये तो दुअन्नी भैया राखी का लाये
इकन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

एक इकन्नी के मैं झगुले टोपी लाऊ
दो पैसे ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

इन पैसो का ननदी झुनझुना लाऊँ
झुनझुना लाके मेरे मुन्ने को बहलाऊ
मिठाई खाले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपैया माग ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो मिठाई पडोस मे बटवाऊ
तू क्या क्या लाई ननदी मुन्ना की बधाई

गहने मैं लाई भाभी मोहरें मैं लाई
टोपी कुरता मैं लाई, मुन्ने के लिए आई

मैं तो मेरी ननदी का यूं ही मन लेती थी
रुपैया तो पै वारू मुन्ने की बधाई

पीला तू ले ले ननदी, गहना तू ले ले
अशर्फी ले ले ननदी, मुन्ना की बधाई
बधाई लेने ननदी, भैया घर आई
रुपैया मागे ननदी, मुन्ना की बधाई

बधाई

बधाई लेने ननदी

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

स्थायी

ऽ ऽ ऽ मा	सा रे सा नी	धनी नीध नीरे ऽ	सा सा रे ग
- - - ब	धा ई ले ने	न- न- दी -	भ या घ र
×	×	×	×
रेसा ऽ सा सा	सा रे सा नी	धनी नीध नीरे ऽ	सा सा रे ग
आ- - इ रु	पै या मा गे	न- न- दी -	मु न्ना की व
×	×	×	×
रेस ऽ सा ऽ			
धा- - इ -			
×			

अंतरा

ऽ सा ऽग ऽमे	प प प प	ऽ मेमे ऽप ऽग	म ऽ ग ऽ
- ये -तो -रु	पै या म रे	- ससु र जी -स	मा - ये -
×	×	×	×

ऽ सा ऽग ऽमे	प पमे ध प	ऽ मेमे ऽप ऽध	म ऽ ग सा
- ये -तो -रु	पँ या- मे रे	- ससु रजी -क	मा - ये अ
×	×	×	×
सा रे सा नी	धनी नीध नीरे ऽ	सा सा रे ग	रेसा ऽ सा ऽ
ठ म्री ले ले	न - न - दी -	मु म्रा की ब	धा- - ई ब
×	×	×	×
सा रे सा नी	धनी नीध नीरे ऽ	सा सा रे ग	रेसा ऽ सा ऽ
धा ई ले ने	न - न - दी -	भँ या घ र	श्रा - इ -
×	×	×	×

नणद वाई

गाडी को खुडको जो नणद वाई म्हे सुण्यो
म्हारी वाई जी दूखण लागी आख
नही तो म्हारा वाईजी नै घर मे आता देखती ।

खाती को बेटो जी नणद बाई घर नही
खातिण कै चढ गई ताप
नही तो म्हारा वाईजी नै पीढो दे बैठावती ।

हलवाई को बेटो जी नणद बाई घर नही
मिसराणी चली गई पीर
नही तो म्हारा वाईजी नै घेवर जिमावती ।

रगरेजा को बेटो जी नणद वाई घर नही
रगरेजण जायो है पूत
नही तो म्हारा वाईजी न चूनडी ओढावती ।

रोकडिया को बेटो जी नणद वाई घर नही
चाबी वो तो ले गयो साथ
नही तो म्हारा वाईजी न रुपिया दे पगा लागती ।

थारा तो वीरा जी नणद बाई घर नही
भतीजा गया है स्कूल
नही तो म्हारा वाईजी नै मोटर दे पहुचावती ।

देर तो हो जासी जी बाईजी थारै घर जाओ
पीछ वाईजी चढ जासी धूप
ठड ठड जाओजी वाईजी म्हारा सासर ।

नणदबाई

गाडीको खुडको जी नणदबाइ

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

धसा धसा सा सा	सारे ग गमग रेसा	सारे रे गम गम	गमगरे सा साग रे
गा- — डी को	खुड को जी- - न -	ण - द बा- इ-	म्हे - - — सू -
×	×	×	×
रे ऽ रे ऽ	धसा सा सासा रे	सारे गग गमग रेसा	सा ऽ ऽ ध
ण्यो - — -	म्हा- री बाई जी	दू - खण ला- गी-	आ - - ख
×	×	×	×
धमा सा सा रे	सारे ग गमग रेसा	सारे रे गम गम	गमगरे सा रे ऽ
नहि तो म्हा रा	बा - इ जी - नैं -	घर मे आ - ता	दे- — ख -
×	×	×	×
रे ऽ रे ऽ	धसा सा सासा रे	सारे गग गमग रेसा	सा ऽ ऽ सा
ती - — -	म्हा- री बाइ जी	दू - खण ला - गी	आ - - ख
×	×	×	×

जच्चा का सोठना

रोळी ल्यो जी रोळो ल्यो, रोळी ले रे जच्चा नै दयो
जच्चा कै माथ सोवै रोळी, पूत जण्या घण होयगी बोळी
गोरी म्हारी बस बधावणी ।

मेहदी ल्यो जी मेहदी ल्यो, मेहदी ले रे जच्चा नै दयो
जच्चा कै हाथ मे सोवै मेहदी, पूत जण्या घण होयगो महगी
गोरी म्हारी बस बधावणी ।

कजळो ल्यो जी कजळो ल्यो, कजळो ने रे जच्चा नै दयो
जच्चा की आख मे सोहे कजळो, पूत जण्या घण बढग्यो नखरो
गोरी म्हारी बस बधावणी ।

छाजा ऊपर बोलै काग, जच्चा जाण म्हारो आयो बाप
फिर गिर देख्यो वोही काग, गोरी म्हारी बस बधावणी ।

चूल्हा पाछै फिरै बिलाई, जच्चा जाणै म्हारी मायड आई
फिर गिर देख वाही बिलाई, गोरी म्हारी बस बधावणी ।

चाकी पाछै फिरै ऊ दरो, जच्चा जाणै म्हारी बहन सुन्दरी
फिर गिर देख वाही ऊ दरी गोरी म्हारी बस बधावणी ।

जच्चा का सीठना

रोळी ल्यो जी रोळी ल्यो

चार मात्राओंकी द्रुतलयमे

सारे रेसा सा सा	रेम मरे रे ऽ	रेम रेसा सा सारे	रेम रे नी सा ऽ
रो - ळी- ल्यो जी	रो- ळी- ल्यो -	रो ळी ले रज	च्चा - ने द्यो -
×	×	×	×
मारे रेसा सा सा	रेम मरे रे ऽ	रेम रेसा सा सारे	रम र नी सा सा
रो - ळी- ल्यो जी	रो- ळी- ल्यो -	रो - ळी - ले रज	च्चा - ने द्यो ज
×	×	×	×
रे रे रेसा सा	रेम मरे रे रे	रे रेसा नी सासा	रेम मरे रे रे
च्चा रे मा - थे	सो- वै- रो ळी	पू तज ण्या घरा	होय गी- बो ळी
×	×	×	×
रेरे रेसा नी सारे	रेमरेसा नीसा ऽ सा ऽ		
गोरी म्हारी ब सव	धा - - - व - णी -		
×	×		

नणद बाई

कठै स्यू आया म्हारा लाल नणदोई, कठै स्यू आया बाईसा
आज म्हारै बाईसा भलाई घर आया।
बम्बई स्यू आया म्हारा लाल नणदोई, सागै तो आया बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
कठै उतारू म्हारा लाल नणदोई, कठ उतारू बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
बागा उतारू म्हारा लाल नणदोई, महला उतारू बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
काई जिमाऊ म्हारा लाल नणदोई, काई जिमाऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
जिनवा जिमाऊ म्हारा लाल नणदोई, घेवर छटाऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
काई तो ल्याया म्हारा लाल नणदोई, काई तो ल्याया बाईसा
आज म्हारा बाइसा भलाई घर आया।
कडा ए कडूल्या ल्याया लाल नणदोई, झगला तो टोपी बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
काई तो देऊ म्हारा लाल नणदोई, काई तो देऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
घुडला तो मागै म्हारा लाल नणदोई, हार गळा को बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
च्यार टका का बाईजी कडा कडल्या ल्याया, हलर मलर करता आया
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।
एक बिसत का बाईजी झगला टोपी ल्याया, घर लूटण न आया
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया।

बायर लडै छै म्हारा लाल नणदोई, भीतर लडै छै बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।
घर मे घुस जाओ म्हारा सुगणा सायब, भाडा रा टोळा चल्या आया
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।
घुडला दिरास्या म्हारा लाल नणदोई, हार गळा को बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।
पाच्यू तो कपडा म्हारा लाल नणदोई, चूनड को वेस बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

नणदबाई

कठे स्यू आया म्हारा

चार मात्राओं की द्रुतलय

प प धप म	प नी ध प	म ऽम म म	म प प ग
क ठे — स्यू	आ या म्हा रा	ला - ल न णा	दो — इ —
×	×	×	×
रे रे रसा नी सा	सा सा रेम ऽ	म ऽ म ऽ	सा ऽसा मरे रे
क ठे - — स्यू	आ या बा -	इ - सा ऽ	आ -ज म्हा रा
×	×	×	×
रेप प प पम	रेम मपम रेसा सा	सा ऽ सा ऽ	
बा- इ सा भ-	ला- इ — घ- र	आ - या -	
×	×	×	

काथो

मेडता स्यू काथो आयो, आयो रग लगाय
वाकडली मू छ्या रा नान्हा रा दादाजी जावा छा घरा ।

जाओ जाओ काई करो ए, बैठो न जाजम ढाळ
दात्या रै चुडलै री लुगाया, थे जीमो चावळ दाळ ।

आया हा हालरिया रै कोडा, चाल्या गीत गवाय
झीणै से घुघट मे लुगाया, ज्यू जीमै ज्यू जाय ।

जाओ जाओ काई करो ए, थोडी सी सुस्ताय
आ बादयो नान्हा रा बाबाजी थानै रथडो कर पहुचाय ।

रथडा तो म्हारै घर ही घणेरा, बैल गया गुजरात
मीठी सी बोली री लुगाया, हस हस कर बतळाय ।

कायो

मेडता स्यू कायो आयो

लय छै मात्राओं की मध्यलय

सा ऽ रेग	गरे सा नी	सा सा ऽ	रेग रे ग
मे - ड	ता - स्यू -	का यो -	आ- यो –
×		×	
म ग रे	सा सा ग	रे ऽ ऽ	ऽ ऽ रे
आ यो –	र ग ल	गा - -	- - य
×		×	
रेग ग रे	सा नी नी	सा सा सा	रेग रेरे गरे
बा- क ड	ली मू –	ध्या रा ना	न्हारा दादा जी
×		×	
म ग रे	सा नी नी	सा सा सा	सा सा सा
जा वा –	छा घ –	रा — —	— — —
+		×	

साध का गीत

आली सब मिल गाओ आज, मगल वेला आई

गोरी के हाथो मे मेहदी लगायेंरी
कजरा लगा माथे विदिया सजायेरी
गोरी लाज का घुघट डाल, मगल वेला आई।
गोरी सभल सभल पग राख, मगल वेला आई।

घर देहरी मोरी जगमग आली
आगन मे छाई दीवाली
गोरी आचल तोरा सभाल, मगल वेला आई।
आली सब मिल गाओ आज, मगल वेला आई।

गोद तुम्हारी चदा मुस्कायेगा
परियो की डोली मे बैठ के आएगा
खिल जाएगी बगिया तुम्हार, मगल वेला आई।
आली सव मिल गाओ आज, मगल वेला आई।

दादाजी दादीजी मोहरें लुटायग
बाबूजी तोरे फूले न समायग
जब वाजन लागेगो थाल, मगल वेला आई।
आली सव मिल गाओ आज, मगल वेला आई।

साध का गीत

आली सब मिल गावो

छे मात्राओं की मध्यलय

ऽ ऽ ऽ ऽ नी सा	गुगु ग ग रेगु रे सा	रे ऽ ऽ ऽ ऽ र
- - - - आ ली	सब मि ल गा- वो –	आ - - ज
×	×	×
मम म ग रे ग सा	सा सा रे नी ध नी़	गुग गु गु रेगु रे सा
म ग ल वे ला –	आ ई – — आ ली	सब मि ल गा- वो –
×	×	×
रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे	मम म ग रे ग सा	सा सा ऽ ऽ ऽ ऽ
आ - - - - ज	म– ग ल वे ला –	आ ई - - - -
×	×	×
रेरे म म प प प	मरे रे सानी रे सा ऽ	रेरे म म पधनी ध प
गो- रे से हा थो मे	मेह दी ल – गा ए री	कज रा ल गा- मा थे
×	×	×
मरे रे सानी रे सा सा	ऽ ऽ ऽ ऽ नी सा	गुगु गु गु रेगु रे सा
निं दि या स- जा ए री	- - - - गो री	ला ज क्षा घू घ ट
	×	×

रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे	मम म ग रे ग सा	सा सा रे नी॒ ध नी॒
डा - - - - ल	म- ग ल वे ला -	आ ई -— गो री
×	×	×
गु॒गु॒ ग॒ ग॒ रेरे॒ ग॒ सा	रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे	मम म ग रे ग सा
सभ ल स भल प ग	रा - - - - ख	म- ग ल वे ला -
×	×	×
सा सा रे नी॒ ध नी॒	गु॒गु॒ ग॒ ग॒ रेगु॒ रे सा	रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे
आ ई -— आ ली	सब मि ल गा- वो -	आ - - - ज
×	×	×
मम म ग रे ग सा	सा सा ऽ ऽ ऽ ऽ	
म- ग ल वे ला -	आ ई - - - -	
×	×	

साध का गीत

आज झूमन लागे मोरी आशा के फुलवा
सूरज किरण मुस्कुराई आगनवा
आज झूमन लागे मोरी आशा के फुलवा

हिरणी सा मन मोरा भरता किलोले
ठडी पवन झूले मस्त हिंडोले
मन मे मोरे आनन्द छाया

फूलो का आज शृ गार कराओ
गोरी की गोदी आज भराओ
आज सुहाना अवसर आया

बन उपवन सब झूमन लागे
जीवन की बगिया मे फल अब लागे
आस पास बिरवा डोलन लागा

छोटे की गोदी मे चदा मुस्कायेगा
तारो की नगरी से मेरे घर आयेगा
भर आगन मोरा नाचा

साध का गीत

आज झूमन लागे मोरी

छे मात्राओं की द्रुतलय

ऽ ऽ ऽ म ऽ प	सा ऽ ऽ नी़ ऽ प	रे ऽ रे म ऽ म
- - - आ - ज	झू - - म - न	ला - गे मो - री
×	×	×
प ऽ ऽ नी़ ऽ म	प प प म ऽ प	सा ऽ ऽ नी़ ऽ प
आ - - शा - के	फु ल वा आ - ज	झू - - म - न
×	×	×
रे ऽ रे म ऽ म	प ऽ ऽ नी़ ऽ म	प प प ऽ ऽ ऽ
ला - गे मो - री	आ - - शा - के	फु ल वा - - -
×		
म प ऽ नी नी सा	रें रें ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा
सू - - र ज कि	र ण - मु - स्कु	रा - - ई - अ
×	×	×
प नी़ ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी नी सा	रें रें ऽ सा ऽ सा
ग न - वा - -	सू - - र ज कि	र ण - मु - स्कु
×	×	×

साध का गीत

आज झूमन लागे मोरी आशा के फुलवा
सूरज किरण मुस्कुराई आगनवा
आज झूमन लाग मोरी आशा के फुलवा

हिरणी सा मन मोरा भरता किलोले
ठडी पवन झूले मस्त हिंडोले
मन मे मोरे आनन्द छाया

फूलो का आज शृ गार कराओ
गोरी की गोदी आज भराओ
आज सुहाता अवसर आया

बन उपवन सब झूमन लागे
जीवन की बगिया मे फल अब लागे
पात पात बिरवा डोलन लागा

गोरी की गोदी मे चदा मुस्कायेगा
तारो की नगरी से मेरे घर आयेगा
घर आगन मोरा नाचन लागा

साध का गीत

आज झूमन लागे मोरी

छे मात्राओं की द्रुतलय

ऽ ऽ ऽ म ऽ प	सा ऽ ऽ नी़ ऽ प	रे ऽ रे म ऽ म
- - - आ - ज	झू - - म - न	ला - गे मो - री
×	×	×
प ऽ ऽ नी़ ऽ म	प प प म ऽ प	सा ऽ ऽ नी़ ऽ प
आ - - शा - के	फु ल वा आ - ज	झू - - म - न
×	×	×
रे ऽ रे म ऽ म	प ऽ ऽ नी़ ऽ म	प प प ऽ ऽ ऽ
ला - गे मो - री	आ - - शा - के	फु ल वा - - -
×		
म प ऽ नी नी मा	रें रे ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ मा ऽ सा
सू – - र ज कि	र ण - मु - स्कु	रा – - ई - अ
×	×	×
प नी़ ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी नी सा	रें रें ऽ सा ऽ सा
ग न - वा - -	सू – - र ज कि	र ण - मु स्कु
×	×	×

पहला अन्तरा

ग॒ ग॒ ऽ ग॒ ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा	रे रे ऽ म ऽ म
हि र - नी - सा	म न - मो रा	भ र - ता - कि
×	×	×
प ऽ ऽ पम नीप ऽ	ग॒ ग॒ ऽ ग॒ ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा
लो- - ले — -	हि र - नी - सा	म न - मो - रा
×		
रे रे ऽ म ऽ म	प प ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा
भ र ता - कि	लो – - ले -	ठ – - डी - प
×	×	×
रे रे ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	पनी सानी ऽ प ऽ ऽ
व न - भू - ले	म — - स्त - हिं	डो- — - ले - -
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न - मे - -	मो - - रे - —	आ - - न - न्द
×	×	×

प॒नी॒ सानी॒ ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रे म ऽ रें ऽ सा
छा — - या - -	म न - मे - —	मो - - रे - —
×	×	×

नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी॒ प म ऽ प
आ - - न न्द	छा — या आ - ज
×	×

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाईये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रे ऽ सा
फू - - लो - का	आ — - ज - सि	गा — - र - क
×	×	×

नी सा ऽ नी॒ प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग॒ म ऽ रें ऽ सा
रा — - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - —
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न मे - -	मो - - रे - —	आ - - न - न्द
×	×	×

प॒नी सा॒नी ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा
छा — - या - -	म न - मे - —	मो - - रे - —
×	×	×

नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी॒ प म ऽ प
आ - - न न्द	छा — या आ - ज
×	×

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाईये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रें ऽ सा
फू - - ला - का	आ — - ज - सि	गा — - र - क
×	×	×

नी सा ऽ नी॒ प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग॒ म ऽ रे ऽ सा
रा — - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - —
×	×	×

पहला अंतरा

ग् ग ऽ ग् ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा	रे रे ऽ म ऽ म
हि र - नी - सा	म न - मो - रा	भ र - ता - कि
×	×	×
प ऽ ऽ पम नीप ऽ	ग् ग् ऽ ग् ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा
ला- - ले — -	हि र - नी - सा	म न - मो - रा
×		
रे रे ऽ म ऽ म	प प ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा
भ र - ता - कि	लो- - ले -	ठ — - डी - प
×	×	×
रें रें ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	पनी सानी ऽ प ऽ ऽ
व न - भू - ले	म — - स्त - हिं	डो- — ले - -
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रे म ऽ रे ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न - मे - -	मो - - रे - —	आ - - न - न्द
×	×	×
प॒नी॒ सा॒नी॒ ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रे म ऽ रें ऽ सा
छा — - या - -	म न - मे - —	मो - - रे - —
×	×	×
नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी॒ प म ऽ प	
आ - - न न्द	छा — या आ - ज	
×	×	

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाईये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रें ऽ सा
फू - - लो - का	आ — - ज - सि	गा — — र - क
×	×	×
नी सा ऽ नी॒ प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग॒ म ऽ रें ऽ सा
रा — - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - —
×	×	×

नी नी ऽ सा ऽ सा	पनी सानी ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा
आ — - ज - म	रा — - यो - -	आ - - ज - अ
×	×	
रें म ऽ रें ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	प नी प म ऽ प
नो - - पा - —	अ व - स - र	आ — या आ - ज
×	×	×

(सूचना चौथा अन्तरा इसीके समान गाईये)

शब्दार्थ

अ

अगड—अनघडा, असम्बद्ध
आधाचूधी—अंधियारा
आड—हठ, जिद
आद—नाजुक
आळभोळ—दोहद काल की इच्छाएँ। विचित्र वस्तुओं के लिए मन का लाभित होना।
ओज्यो—उडेलना
आदर—उदर
आबरड—कोठडी
ओळग—कही भी जाने के लिए आने वाला बुलावा

इ

इगणो—तीसरा

उ

उजाटा—झपट्टा
उपज्या—उत्पन्न होना
उपराड—छत से
उबरती—बच हुए का
ऊजळदत—उज्ज्वल, सफेद, उजले दांत की तरह
ऊबरया—बचा हुआ
ऊमटी—उमडना, बदली का घिरना

क

कचोळे—कटोरा
कमधनिया—कामदेव के समान, पति
कागसे—कंधे से
कुम्हट—कुम्हार
किरण्यो—दुपट्टा

ग

गाहको—ग्राहक
गुगळिया—गाढ़े रंग की बनी हुई चित्रकारी
गुडाल्यां—घुटने के बल चलना
गुणसायर—गुणों से युक्त
गुदळी—गाढ़ी
गुमानण—गर्वीली

घ

घूघरी—गेहूं या चना उबला हुआ

च

चन्दरावळी—प्रिय पत्नी
चरिताळी—चरित्र करने वाली
चिटिया—छड़ी
चितायल्यो—याद करलो
चीर—ओढना
चुरळ—गहरा
चोका का—सामने का
चोलियो—छबडी

छ

छमक—छौंक कर

ज

जिवणा—चावल

भोटा—भूला

ट

टाटला—कगूरा

ड

ढवाता—घोड़ा कुदाते हुए

द

दांतणफाड—दांत साफ करने की प्रक्रिया

दीपै—देदीप्यमान, चमकना

दुकड्यो—हाथों से पकड़ा जाने वाला दो बड़ा का पात्र, कढाई

देवल—मन्दिर

दारो—इष्ट

ध

धड़ी—पांच किलो का तोल

धाई—भरपाई

धियाड़ी माता—जमाना

धीनड—बालक

न

नखचोल्या—नख से छीला हुआ

नचीत—निश्चित

ननसाळा—ननिहाल

न्हानडियो—छोटा बालक

निरवाणसी—पूरी करना

प

पड्छाया—छाया

पछोडता—पटकते हुए, गिराते हुए

पजाप—पूरी करना

पांडा—पषाण

पनगी—हल्का रग

परमाती—प्रभात म, सवेरे

पवास्या—प्रकाशित होना, चमकना

पवासा—प्रकाश, चमक

पागड्ल्यां—पग

पाळ—किनारा, तीर

पियादा—पैदल चलने वाला

फ

फळसा—प्रवेश करने का मुख्य द्वार

फड़दी—रजाई का ऊपरी खोल

फाका—एक बार मे खाना

फाबा—पैर का पजा

ब

बकसाग्रा—बख्शीश म, इनाम मे

बखाण्यो—वर्णन किया

बगड—असम्बद्ध, अनघड

बडगालण—बडे घराने की

बटली—बड़ी, बटी हुई

बडियाजी—बड़ी मां

बाटला—बहुत सा

बालळो—कान का आभूषण, बालिया

बासक—वासुकी नाग

बिनाण—लक्षण, विचार, विवेचन

बिलख्या—बिलखते हुए

बिलमावणो—खर्च करने वाला

बुगचो—पेटी

बोळी—बहरी

म

मगेजण—मिजाजो वाली

मजीठ—एक वनस्पति जिसके डठलो से लाल रग बनाया जाता है ।
मघवा—नशे की गर्मी
मनभरिया—मन को माने वाला
माऊजी—माँ
मान्ळ—मदग, पखावज, ढोल
माळपा—काटना

र

रणक्या—झणकार, वाद्य की ध्वनि
रतनागर—रत्नो की खान
रळी—इच्छा
राड—लडाई

ल

लस्करिया—सेना या लश्कर म काम करन वाला
ल्होडा—छोटा

स

सजोता—सुसज्जित किया हुआ
सापता—पूरा
सापुरसां—सम्पन्न पुरुष
सायजादा—शहजादा
सुग्णपारण—गुणो म सम्पन्न
सुलाक्खणा—सुलक्षणा वाला
सीर—हिस्सा

ह

हबोळा—हिलार, तरग
हबोळा—उमग, नजारा, चमक
हतायां—गपशप
हालमस्ती—झूमत हुए
हालर—बच्चा
हुलरावा—गोद म खिलाना